दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली गुरुवार 28 मई - 2026 ● वर्ष : 11 अंक : 154 पेज - 08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

राजनाथ सिंह की मिडिल ईस्ट संकट पर हाईलेवल मीटिंग

रक्षा मंत्री बोले, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह सामान्य

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात को लेकर मंत्रियों के अनौपचारिक सशक्त समूह की हाई लेवल बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में क्षेत्रीय तनाव, भारत की सुरक्षा चिंताओं और वहां मौजूद भारतीय नागरिकों के हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। केंद्र सरकार लगातार पश्चिम एशिया की स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है और हालात से निपटने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय को मजबूत किया जा रहा है।

सप्लाई चेन और जरूरी सामानों की उपलब्धता की समीक्षा : राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच हुई छठी बैठक के बाद कहा कि सरकार ने देश में जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता और सप्लाई चेन की मजबूती की समीक्षा की है। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद से लगातार प्रभावी काम कर रही है। मंत्रियों के समूह ने कठिन समय में दूरदर्शी नेतृत्व देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार भी जताया।

'देश में सप्लाई सामान्य, घबराकर खरीदारी से बचें' : राजनाथ सिंह ने कहा कि फिलहाल देश में जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और नागरिकों को पेट्रोल, डीजल और छढत्र्की घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी करने से बचना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार सभी आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। सरकार का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक बाजारों पर असर की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

सुरक्षा एजेंसियों और मंत्रालयों के बीच तालमेल पर जोर : सूत्रों के मुताबिक बैठक में रक्षा, विदेश और सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता का असर वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक संतुलन पर पड़ सकता है, जिसे देखते हुए भारत सरकार सतर्क रुख अपनाए हुए है।

संवाद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने चंडीगढ़ में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। एक कार्यक्रम में उन्होंने अपने विचार रखे। इस अवसर पर कार्यक्रम में पंजाब चंडीगढ़ के राज्यपाल अशोक टंडन , जीएन मलिक भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सभी ने इस गरीमामयी कार्यक्रम में अपने अपने विचार रखे। अतुल गर्ग संगठन की दृष्टि से चंडीगढ़ के प्रभारी भी हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी सरकार के 12 वर्ष की उपलब्धियों का खाका लेकर जायेंगे जनता के बीच : सतेंद्र सिसौदिया

पर्यावरण से लेकर योग के माध्यम से देंगे संदेश

क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों के कार्यकाल में अनेक कल्याणकारी योजनायें तैयार की गयी हैं। उन्होंने कहा कि पांच जून से ये अभियान शुरू होगा और 21 जून तक चलेगा।

हर बूथ पर लगाया जायेगा एक पौधा

करंट क्राइम। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने कहा कि पांच जून से अभियान शुरू होगा। 21 जून तक ये अभियान चलेगा। उन्होंने कहा कि वैसे तो लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर पांच पौधे लगाने का रखा गया है। लेकिन कम से कम हर बूथ पर एक पौधा लगाया जायेगा और यह अभियान एक पेड़ मां के नाम पर होगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा योग दिवस के माध्यम से उपलब्धियों का संदेश दिया जायेगा। निरोगी राष्ट्र का संदेश दिया जायेगा। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता जनता के बीच रहेगा, अपने बूथ पर रहेगा और सशक्त तरीके से सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच रखेगा।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा विशेष अभियान चलाने जा रही है और इस अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपब्धियों को जनता के बीच रखा जायेगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्षों के कार्यकाल में अनेक कल्याणकारी योजनायें तैयार की गयी हैं। उन्होंने कहा कि पांच जून से ये अभियान शुरू होगा और 21 जून तक चलेगा। इन दौरान जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी जायेगी। बताया जायेगा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से किस तरह से देश के आम गरीब वर्ग को राहत मिली है। 12 वर्ष में जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनता को क्या सुविधायें दी गयी है।

आत्मनिर्भर भारत की जानकारी दी जायेगी। 12 वर्षों में सनातन और संस्कृति के लिए क्या काम किया गया है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होने वाले वर्गों की जानकारी दी जायेगी। इस अभियान में प्रर्शनी भी लगायी जायेगी और प्रदेश तथा जिला स्तर पर प्रैस वार्ता के माध्यम से बताया जायेगा कि सरकार की इन 12 वर्षों में क्या उपलब्धियां रही हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने कहा कि 12 वर्षों का कार्यकाल बेहद शानदार रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है। कई चुनौतियों को सफलता पूर्वक पूरा किया है और जीत हांसिल की है। हम इस बात को गर्व से कह सकते हैं कि राष्ट्र ने अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक और सामाजिक दोनों ही बिंदुओं पर उपलब्धियां हांसिल की हैं। देश के नागरिकों को एक सुरक्षित वातावरण मिला है।

कुछ बड़ा मिलने जा रहा है गाजियाबाद की भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को क्या ऊपर से ली गयी है उनके व्यवहार और व्यापार की जानकारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा की राजनीति में वरिष्ठों पर भी कृपा होती है। राजनीति में समर्पण देखा जाता है, अनुभव देखा जाता है और व्यवहार भी देखा जाता है। राजनीति के समीकरण हैं और जब ये समीकरण मिलते हैं तब कृपा का बादल बरसता है। सूत्र बताते हैं कि गाजियाबाद में एक वरिष्ठ नेता को कृपा प्राप्त होने जा रही है। बताते हैं कि संकेत मिलने शुरू हो गये हैं। जिन भाजपा नेता की बात हो रही है वो पहले काफी एक्टिव मोड में रहे हैं। उनके पास पद भी रहे हैंऔर वो काफी जुझारू छवि के नेता माने जाते हैं। कई वर्षों बाद अब उनके बारे में विचार हुआ है। माना जा रहा है कि अब उनपर सरकारी कृपा हो सकती है। भाजपा के ये नेता वैश्य समाज से भी हो सकते हैं। गुर्जर समाज से भी हो सकते हैं। पंजाबी समाज से भी हो सकते हैं। ये नेता जाट समाज से भी हो सकते हैं। इन नेता का ट्रैक रिकॉर्ड काफी मजबूत बतायाजाता है। संघर्ष के दिनों वाली भाजपा में इनके नेतृत्व में काफी संघर्ष हुआ है। सूत्र बताते हैं कि अब इन नेता जी की किस्मत खुलने का टाईम आ गया है। नेता जी के लिए हाई लेवल से यहां के जनप्रतिनिधियों के पास फोन आ गया है। सूत्र बता रहे हैं कि हाईकमान स्तर से इनके व्यवहार और इनके व्यापार दोनों की जानकारी मांगी गयी है। अगर पार्टी सूत्रों पर भरोसा करें तो इन नेता को जल्दी ही कुछ बड़ा मिलने की पूरी संभावना बन गयी है।

लोनी की भगवा राजनीति का गजब है किरदार भाजपा दावेदार ने मांग लिया भाजपा से हिसाब

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोनी की राजनीति गजब चल रही है। लोनी को वैसे ही क्रांतिकारी विधानसभा कहा जाता है। अब चुनावी ईयर शुरू होने वाला है तो सबसे गजब सीन लोनी में दिखाई दे रहा है। लोनी में भाजपा ही भाजपा को निशाने पर ले रही है। लोनी की राजनीति में ये किरदार भी तब दिखाई दिया जब भाजपा के एक दावेदार ने सोशल मीडिया पर हिसाब मांग लिया। भाजपा के दावेदार जब भाजपा से हिसाब मांग रहे हैं तो समझा जा सकता है कि सीधा निशाना वो कहां लगा रहे हैं। बीजेपी लोनी गाजियाबाद के नाम से एक ग्रुप है। यहां एक दावेदार हैं और वो भी गुर्जर बिरादरी से हैं। उन्होंने इस ग्रुप पर लिखा कि कहां गये वो 14-15 बिजली घर जो तुमने बनवाये थे। लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। जनता रात रात भर बिजली ना आने से परेशान होकर सड़कों पर है। जवाब तो देना पड़ेगा। अब ये बात भाजपा वाले ने भाजपा वाले से पूछी है। वो पूछ रहे हैं कि जनता ने तुम्हे वोट देकर जिताया है तो जवाब देना ही होगा। यहां दावेदार ने भले ही हिसाब को लेकर नाम नहीं लिखा है लेकिन समझ तो सब रहे हैं कि जनप्रतिनिधि कौन है और किससे हिसाब मांगा जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि अभी और रोचकता आयेगा। जैसे चुनावी रण की तिथि नजदीक आयेगा वैसे ही भाजपा के भीतर ही भगवा महाभारत का सीन हो जायेगा। भगवा टोला बिल्कुल भी खामोश नहीं रहेगा। दावेदार नये नये खुलासो के साथ सामने आयेंगे।

छात्र गोपाल की हत्या करने वाले तीन शातिर मुठभेड़ में दबोचे

नोएडा, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा के गांव बनवारीवास से लापता हुए 15 वर्षीय छात्र गोपाल शर्मा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध शस्त्र और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने हुक्के में अधिक तंबाकू डालकर छात्र की हत्या की थी। अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि रवि भूषण ने 22 मई को थाना जेवर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका 15 वर्षीय बेटा गोपाल शर्मा 21 मई से लापता है।

हाईराइज सोसायटी से ग्रामीण बेल्ट तक अपराध का दबाव, साइबर ठगी और स्नैचिंग ने बढ़ाई चिंता

साप्ताहिक रिपोर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बीता सप्ताह कानून व्यवस्था के लिहाज से काफी हलचल भरा रहा। शहर के अलग-अलग हिस्सों में साइबर ठगी, मोबाइल स्नैचिंग, संदिग्ध मौत, पुलिस मुठभेड़, महिलाओं से जुड़े अपराध और अवैध गतिविधियों के मामले लगातार चर्चा में रहे। एक तरफ पुलिस कमिश्नरेट ने कई मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर अपराधियों की गिरफ्तारी और रिकवरी दिखाई, वहीं दूसरी तरफ कुछ घटनाओं ने शहरी सुरक्षा व्यवस्था और तेजी से बदलते अपराध मॉडल पर गंभीर सवाल भी खड़े किए। सबसे ज्यादा दबाव ट्रांस हिंडन क्षेत्र, इंदिरापुरम, साहिबाबाद और लोनी बेल्ट में दिखाई दिया, जहां हाईराइज सोसायटी संस्कृति, भारी आबादी और दिल्ली से सीधी कनेक्टिविटी अपराधियों के लिए आसान मूवमेंट का कारण बन रही है। साइबर अपराध लगातार सबसे तेजी से बढ़ती चुनौती के रूप में सामने आ रहा है, जबकि मोबाइल चोरी, वाहन चोरी और महिलाओं से जुड़े अपराध भी पुलिस के लिए बड़ी चिंता बने हुए हैं। बीते सप्ताह पुलिस की सक्रियता भी लगातार दिखाई दी। कई थाना क्षेत्रों में मुठभेड़, गिरफ्तारी अभियान, चेकिंग और तकनीकी सर्विलांस के जरिए कार्रवाई हुई। त्योहारों और संवेदनशील माहौल को देखते हुए पुलिस ने कई क्षेत्रों में निगरानी भी बढ़ाई।

एनालिसिस : बदल रहा है गाजियाबाद का अपराध मॉडल

करंट क्राइम। गाजियाबाद अब पारंपरिक अपराध से आगे बढ़कर 'अर्बन और डिजिटल क्राइम जोन' में बदलता दिखाई दे रहा है। पहले जहां लूट और गैंगवार सबसे बड़ी चुनौती मानी जाती थी, वहीं अब साइबर ठगी, डिजिटल फ्रॉड, संगठित स्नैचिंग नेटवर्क और हाईराइज अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। पुलिस तकनीकी निगरानी और सर्विलांस के जरिए दबाव बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि बीट पुलिसिंग, लोकल इंटेलिजेंस और साइबर जागरूकता को और मजबूत करने की जरूरत है।

27 मई : इंदिरापुरम में फर्जी मुठभेड़ और अवैध हिरासत का मामला चर्चा में

इंदिरापुरम क्षेत्र से जुड़ा मामला उस समय सुर्खियों में आया जब एक महिला ने कोर्ट में 16 पुलिसकर्मियों पर फर्जी मुठभेड़ और अवैध हिरासत के आरोप लगाए। कोर्ट ने मामले में रिपोर्ट तलब कर ली। इस घटनाक्रम ने पुलिस कार्रवाई की पारदर्शिता और मानवाधिकारों को लेकर बहस तेज कर दी।

26 मई : शिप्रा सृष्टि सोसायटी में 15वीं मंजिल पर आग

इंदिरापुरम की शिप्रा सृष्टि सोसायटी में 15वीं मंजिल पर आग लगने से हाईराइज सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए। दमकल विभाग को काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई।

27 मई : रामपुरी कॉलोनी में ई-कार में लगी आग

रामपुरी कॉलोनी में पार्किंग में खड़ी इलेक्ट्रिक कार में आग लगने से पूरी बिल्डिंग धुएं से भर गई। लोगों को दूसरी बिल्डिंग के सहारे बाहर निकलना पड़ा। घटना ने ई-वाहनों की सुरक्षा और फायर सेफ्टी को लेकर चिंता बढ़ाई।

25 मई : इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में भीषण आग

गाजियाबाद की एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में लगी आग इतनी भीषण थी कि आसपास के जिलों से दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ीं। करीब 400 से 500 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

22 मई : फ्लैट में मिले दो बुजुर्गों के शव

शहर के एक फ्लैट में दो बुजुर्गों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। कई दिनों तक फ्लैट बंद रहने और बदबू आने के बाद मामला सामने आया। पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी रही।

गाजियाबाद की थाना वार क्राइम रिपोर्ट

इंदिरापुरम

- हाईराइज सोसायटी क्षेत्र में संदिग्ध मौत, साइबर फ्रॉड और मोबाइल चोरी के मामले चर्चा में रहे।
- जयपुरिया सनराइज ग्रीन्स सोसायटी में 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत ने पूरे क्षेत्र में तनाव पैदा किया। परिजनों ने हत्या और दुष्कर्म की आशंका जताई।
- होटल में महिला मैनेजर से अभद्रता और मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ।

साहिबाबाद

- स्नैचिंग, चोरी और अवैध गतिविधियों को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी रही।
- औद्योगिक क्षेत्रों में संदिग्ध वाहनों और बाहरी नेटवर्क पर निगरानी बढ़ाई गई।

कविनगर

- साइबर शिकायतें और आर्थिक अपराध के मामलों में पुलिस सक्रिय रही।
- तकनीकी सर्विलांस और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए कई संदिग्धों तक पहुंचने की कोशिश हुई।

मसूरी

- पुलिस टीम पर हमला और बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई क्षेत्र की सबसे बड़ी चर्चा रही।
- ग्रामीण नेटवर्क और हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर दबिश अभियान चलाया गया।

मुरादनगर

- मुठभेड़ और इनामी अपराधियों की तलाश को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय दिखाई दी।
- अवैध हथियार और वाहन चोरी से जुड़े मामलों में कार्रवाई बढ़ाई गई।

लोनी

- सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण झगड़े, चोरी और स्थानीय गैंग गतिविधियों की शिकायतें सामने आती रहीं।
- पुलिस ने चेकिंग और दबिश अभियान तेज किए।

कौन से अपराध सबसे ज्यादा बढ़ रहे?

साइबर ठगी

ऑनलाइन निवेश, फर्जी बैंक कॉल और डिजिटल पेमेंट फ्रॉड तेजी से बढ़ते अपराध के रूप में सामने आए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पढ़े-लिखे और नौकरीपेशा लोग भी सबसे ज्यादा शिकार बन रहे हैं।

मोबाइल स्नैचिंग और वाहन चोरी

मेट्रो स्टेशन, बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सक्रिय गैंग लगातार चुनौती बने हुए हैं।
महिलाओं से जुड़े अपराध : छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न और संदिग्ध घटनाओं ने महिला सुरक्षा को फिर केंद्र में ला दिया।

हाईराइज सुरक्षा संकट

आग और संदिग्ध घटनाओं ने हाईराइज सोसायटी में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

पुलिस कमिश्नरेट की प्रमुख कार्रवाई

कई वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी ● तकनीकी सर्विलांस के जरिए अपराधियों की पहचान ● मुठभेड़ में बदमाश घायल और गिरफ्तार ● संवेदनशील क्षेत्रों में चेकिंग अभियान ● त्योहारों से पहले ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाई गई ●महिला सुरक्षा को लेकर विशेष पेट्रोलिंग और निगरानी

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद
उत्तर प्रदेश पुलिस

एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक 10 जून को मोदी सरकार के 12 साल की उपलब्धियों पर मंथन

आगामी विधानसभा चुनावों रोडमैप पर चर्चा

शासन और कल्याण संबंधी मुद्दों के अलावा, बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक रोडमैप पर भी चर्चा हो सकती है। कई राज्यों में आने वाले महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार के विकास के एजेंडे को सुदृढ़ करने पर केंद्रित होगी। 10 जून की यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा और उसके सहयोगी केंद्र की नीतिगत पहलों को उजागर कर रहे हैं। मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर शासन के रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला जा रहा है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्री परिषद की बैठक 10 जून को दिल्ली में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है।

12 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा होगी

बैठक में एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और सहयोगी दलों के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों की समीक्षा की जाएगी।

केंद्र के कल्याणकारी और विकास एजेंडे के लिए जनसंपर्क को और मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श होगा।

चर्चा का केंद्र मोदी सरकार की प्रमुख कल्याणकारी पहलों को जमीनी स्तर तक ले जाना भी होगा। राज्यों में लाभार्थियों को केंद्र की प्रमुख योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। इनमें कल्याण वितरण, बुनियादी ढांचा विकास और रोजगार सृजन शामिल हैं।

विकास कार्यक्रमों को लागू करने पर बात

परिषद की बैठक में केंद्र और एनडीए शासित राज्यों के बीच समन्वय की समीक्षा की जाएगी। विकास कार्यक्रमों के सुचारू कार्यान्वयन पर जोर दिया जाएगा। राज्यों के बीच शासन रणनीतियों को साझा करने पर भी ध्यान केंद्रित होगा। यह बैठक गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक अभ्यास मानी जा रही है। इसका उद्देश्य एनडीए सहयोगियों के बीच समन्वय को मजबूत करना है।

'फिलहाल कोई बैठक नहीं, सब कुछ केवल अटकलें' सुरजेवाला ने कर्नाटक सीएम बदलाव की अटकलों पर लगाया विराम

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलाव को लेकर चल रही अटकलों के बीच कांग्रेस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि अभी इस विषय पर कोई भी आधिकारिक निर्णय नहीं लिया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मीडिया से अपील की है कि वह इस मुद्दे पर किसी भी तरह की अटकलें न लगाए। सुरजेवाला ने साफ कहा कि पार्टी की ओर से फिलहाल विधायक दल की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है और न ही नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई निर्णय लिया गया है।

फिलहाल कोई बैठक नहीं, सब कुछ केवल अटकलें- सुरजेवाला

मीडिया से बातचीत करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और नेतृत्व से जुड़े फैसले उचित समय पर ही लिए जाते हैं। उन्होंने कहा अभी तक कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। न ही इस तरह का कोई फैसला लिया गया है। जब भी कोई निर्णय होगा, उसे सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अभी यह कहना कि कुछ दिनों, महीनों या हफ्तों में क्या होगा, पूरी तरह से अनुमान और अटकलें हैं।

'कृपया कयास न लगाएं'

सुरजेवाला ने मीडिया से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा कि बिना पुष्टि के किसी भी तरह की खबर न चलाई जाए। उन्होंने कहा 'मैं आपसे विनम्रता से आग्रह करता हूं कि कृपया किसी भी प्रकार की अटकलों से बचें।'

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के भीतर नेतृत्व संतुलन और संगठनात्मक समीकरणों को लेकर समय-समय पर चर्चा होती रहती है। लेकिन पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस समय किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि से बच रहा है कांग्रेस का कहना है कि जब भी कोई निर्णय लिया जाएगा, वह संगठनात्मक प्रक्रिया और सामूहिक सहमति के आधार पर होगा।

राजनीतिक हलचल के बीच बढ़ी चर्चा

कर्नाटक में इन दिनों मुख्यमंत्री बदलाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज है। चर्चा है कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया जल्द ही पद छोड़ सकते हैं और उनकी जगह उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व ने लगातार यह संकेत दिया है कि इस तरह की सभी खबरें सिर्फ अनुमान हैं और इनका कोई आधिकारिक आधार नहीं है।

आग उगलती गर्मी के बीच दिल्ली-एनसीआर पर मेहरबान होगा मौसम
लू से मिलेगी राहत, जल्द होगी बारिश और आंधी की एंट्री

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर इन दिनों आग उगलती धूप और चिपचिपी उमस की गिरफ्त में है। सुबह से ही आसमान से बरसती तपिश लोगों को बेहाल कर रही है, जबकि रातें भी गर्म हवा और बेचैनी से भरी हुई हैं। सड़कों पर निकलते ही गर्म हवाओं के थपेड़े महसूस हो रहे हैं और मौसम का मिजाज लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में जल्द बदलेगा मौसम

हालांकि तपती गर्मी के बीच अब मौसम करवट लेने की तैयारी में है। इस सप्ताह के मध्य तक दिल्ली-एनसीआर के आसमान में बदलाव के संकेत दिखाई देने लगेंगे। लंबे समय से झुलसा रही गर्म हवाओं के बीच प्री-मानसून गतिविधियां राहत की फुहार लेकर आ सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गरज-चमक, धूलभरी आंधी और तेज बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। इसके असर से हीटवेव जैसे हालात खत्म हो सकते हैं और दिन का तापमान गिरकर 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है।

निजी मौसम पूवार्नुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक, मौसम में यह बदलाव 28 मई के आसपास सक्रिय होने वाले नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा। इसके प्रभाव से दक्षिण पंजाब और उत्तर राजस्थान के ऊपर एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। साथ ही एक पूर्व-पश्चिम ट्रफ दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उत्तर मध्य प्रदेश तक फैलेगी, जो 27 से 31 मई के बीच सक्रिय रहेगी। एजेंसी के मुताबिक, मई के आखिरी दिनों में इस बार दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिल सकती है। लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना तापमान अब नीचे आने के संकेत दे रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान सामान्य से भी कम रह सकता है, जिससे गर्मी का तीखा असर कमजोर पड़ जाएगा। आमतौर पर मई के अंतिम सप्ताह में दिल्ली का पारा 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच जाता है। लेकिन इस बार मौसम का मिजाज अलग रहने की संभावना है।

मई के आखिरी दिनों में मिलेगी राहत

स्थानीय गर्मी, बढ़ती नमी और ट्रफ की हलचल मिलकर प्री-मानसून गतिविधियों को तेज करेंगी। 28 से 31 मई के बीच दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं, धूलभरी आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश देखने को मिल सकती है। खासतौर पर 30 और 31 मई को मौसम ज्यादा सक्रिय रहने का अनुमान है। वहीं 27 मई की शाम से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है और रात के समय दूर-दूर बिजली चमकने, हल्की गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

तमिल राज्य गान पर सीएम विजय ने तोड़ी चुप्पी, गीत गाने को लेकर गृह मंत्रालय से स्पष्टीकरण की मांग

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकत की। उन्होंने राज्य से जुडे.कई मुद्दों को प्रधानमंत्री के सामने रखा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिल थाई वाझथु लंबे समय से तमिलनाडु में आयोजित सभी सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत में पारंपरिक रूप से गाया जाता रहा है। हालांकि, इस वर्ष जनवरी में गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक नोटिस के बाद कुछ सरकारी कार्यक्रमों में पहले राष्ट्रगीत गाया जाने लगा है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में गृह मंत्रालय से उचित स्पष्टीकरण जारी करने का अनुरोध किया, ताकि सरकारी आयोजनों की शुरूआत में राज्य के प्रार्थना गीत को गाने की परंपरा पहले की तरह जारी रह सके।

जब से तमिलनाडु में नई सरकार का गठन हुआ है इस पर लगातार कई नेताओं ने नाराजगी जताई है। लोकभवन में आयोजत हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पहली कैबिनेट विस्तार के तहत 21 टीवीके विधायकों और दो कांग्रेस विधायकों सहित कुल 23 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। वाम दलों ने 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान के बाद तमिल गान गाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

इससे पहले 10 मई को जब विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब भी इसी तरह का विवाद सामने आया था। उस समय भी तमिल गान को 'वंदे मातरम' और 'जन गण मन' के बाद तीसरे स्थान पर गाया गया था।

कर्नाटक पर हो गया फैसला !: क्या सिद्धारमैया सीएम पद छोड़ने को हुए तैयार? कांग्रेस नेता के बयान से बढ़ी हलचल

डी के शिवकुमार के समर्थकों ने मनाया जश्न

वहीं इस खबर के सामने आने के साथ ही उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के समर्थकों ने कर्नाटक के कई हिस्सों में जश्न मनाना शुरू कर दिया। बंगलूरू के सदाशिवनगर और रामनगर में समर्थकों ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटीं। शिवकुमार के समर्थकों का मानना है कि वे एक मजबूत नेता हैं और उन्होंने 2023 के चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने के लिए बहुत मेहनत की है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सिद्धारमैया गुरुवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं, जिसके बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल सकते हैं।

पिछड़ा वर्ग महासंघ ने कांग्रेस आलाकमान को दी चेतावनी

दूसरी तरफ, सिद्धारमैया को पद से हटाने की खबरों पर पिछड़ा वर्ग महासंघ ने कांग्रेस आलाकमान को कड़ी चेतावनी दी है। महासंघ के नेताओं का कहना है कि अगर सिद्धारमैया को हटाया गया, तो कांग्रेस को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उनका तर्क है कि कांग्रेस पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और दलितों (अहिंदा) के वोटों की वजह से सत्ता में आई है। महासंघ के अध्यक्ष रामचंद्रप्पा ने कहा कि सिद्धारमैया के कद का कोई दूसरा नेता पार्टी में नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उन्हें इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया, तो वे कल से ही आंदोलन शुरू कर देंगे।

बंगलूरू। कर्नाटक की राजनीति में इस समय जबरदस्त हलचल मची हुई है। राज्य में सत्ता परिवर्तन की खबरों के बीच बंगलूरू में पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता आरवी देशपांडे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। आरवी देशपांडे ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद उन्हें अपने मन की बात बताई है। देशपांडे के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उनसे कहा है कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का मन बना लिया है।

पूर्व मंत्री देशपांडे ने मुख्यमंत्री के निवास पर उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने बताया कि जब कुछ विधायकों ने सिद्धारमैया से इस्तीफा न देने की जिद की, तो मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को वचन दिया है और वे उसका सम्मान करेंगे। बुधवार को कई मंत्रियों और विधायकों ने सिद्धारमैया के घर जाकर उनसे लंबी चर्चा की। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री से पद पर बने रहने का आग्रह किया और कहा कि वे इस बारे में आलाकमान से बात करेंगे। कुछ विधायकों ने इस मुद्दे पर विधायक दल की बैठक बुलाने का सुझाव भी दिया, लेकिन सिद्धारमैया ने इस पर कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी। जब देशपांडे ने इस्तीफे की वजह पूछी, तो सिद्धारमैया ने बताया कि इस बारे में दिल्ली में चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि वे आलाकमान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण यह कदम उठा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को केंद्र में बड़ी भूमिका और राज्यसभा सीट का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अभी इस प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार नहीं किया है। सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर कैबिनेट मंत्रियों के साथ नाश्ते पर एक बैठक भी बुलाई है।

अखिलेश बोले: अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी, इनमें अब करंट नहीं रहा

लखनऊ। अखिलेश यादव ने बुधवार को फिर से भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने अपने अकाउंट से लिखा- अगले चुनाव में जनता भाजपा को धो-पटककर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उप्र के ह्यअसफल मुख्यमंत्रीह्व जी ने ये नहीं कहा कि इस ह्यमहा विद्युत आपदाह्व के पीछे दिल्लीवालों के भेजे हुए दूत की साजिश है। ये स्पष्ट किया जाए कि मुख्यमंत्री जी की समीक्षा बैठक में बिजली मंत्री जी आते नहीं हैं या बुलाए नहीं जाते हैं। अगर आते हैं तो माननीय से अनुरोध है कि उनके ह्यकंधे पर हाथ रखकरह्व एक तस्वीर आप पोस्ट कर दीजिए, जनता को आपकी ह्यआपसी गर्मीह्व से तो राहत मिल जाएगी। क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी एकांत में साथ देखा नहीं। भाजपा राज में बिजली के सब-स्टेशनों पर पीएसी लगती है और विधायक-सांसद अपनी ही सरकार के खिलाफ चिट्ठी लिखकर, जनता के आक्रोश से बचने का कायराना काम करते हैं। भाजपा में अब करंट नहीं रहा। अखिलेश यादव ने जौनपुर के एक यादव पुजारी के कथित एनकाउंटर का मुद्दा भी उठाया।

सरकार अपनी धाक जमाने के लिए फेक एनकाउंटर करा रही

वहीं, मंगलवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की थी। उन्होंने कहा था कि पुलिस की कार्यशैली भी सवाल उठाए। कहा कि आजकल फेक एनकाउंटर की खबरें काफी सुनने को आ रही हैं। कई परिवारों ने इस बारे में खुलकर बात की है। इससे पता चलता है कि सरकार फेक एनकाउंटर की साजिश लगातार कर रही है। सरकार की मर्जी के अनुसार फेक एनकाउंटर हो रहा है। अपनी धाक जमाने के लिए यूपी में एनकाउंटर किए जा रहे हैं। ये सरकार जाति देखकर एनकाउंटर करवाती है।

सपा सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार गिर जाएगी

अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। भाजपा सरकार ह्लफेक एनकाउंटरह्व की तरह ह्लफेक अर्थव्यवस्थाह्व का भी प्रचार कर रही है। डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। भाजपा सरकार के 10 वर्षों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। सबसे अधिक फर्जी एनकाउंटर पीडीए वर्ग के लोगों के हुए हैं और उन्हें धमकाने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई की जा रही है।

स्मृति ईरानी का अमेठी दौरा: कार्यकर्ताओं में भरा जोश यूपी चुनाव के लिए संगठन मजबूत करने का दिया संदेश

जमीन कब्जा मुक्त कराने की लगाई गुहार

इन्हौना कस्बे के ग्रामीणों ने स्मृति ईरानी से मुलाकात कर सीलिंग की जमीन से अवैध कब्जा हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पट्टे की जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर रखा है। इस पर स्मृति ईरानी ने समस्या के समाधान का भरोसा दिया।

स्वागत के दौरान कुछ कार्यकताओं में दिखी नाराजगी

मंडल अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया साथ ही काफिले के वाहन से नीचे न उतरने पर कार्यकताओं ने नाराजगी भी जताई। कुछ कार्यकर्ता फूल-माला लिए खड़े रह गए और उनका काफिला आगे निकल गया जिससे कार्यकताओं में मायूसी छा गई।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस दौरान राहुल पाठक, बिपिन सिंह, राम धीरज, सुनील पासी, पप्पू बाबू, अमरीश जायसवाल आदि मौजूद रहे।

अमेठी । पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद स्मृति जुबिन ईरानी बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक कर संगठन मजबूती पर जोर दिया और कई पीड़ित व शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। लखनऊ से सड़क मार्ग से अमेठी पहुंची स्मृति ईरानी ने सबसे पहले तिलोई विधानसभा क्षेत्र के करनगांव पहुंचकर दिवंगत भाजपा बूथ अध्यक्ष बृजेश चंद्र तिवारी के परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद गौरीगंज के जुठीपुर गांव पहुंचकर दिवंगत बूथ अध्यक्ष पवन पासी के परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा भी दिया। मुसाफिरखाना स्थित एक निजी होटल में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के समापन सत्र में उन्होंने भाजपा कार्यकताओं को संबोधित किया।

बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने, जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

घर में आग लगने से एक नाबालिग की मौत, बुजुर्ग महिला घायल, दमकल विभाग की टीम मौके पर

नई दिल्ली । पश्चिमी दिल्ली में स्थित विष्णु गार्डन में बुधवार की सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। एक घर में भीषण आग लगने से एक 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से झुलस गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग तड़के सुबह लगी। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि वे तेजी से पूरे घर में फैल गईं।

निविदा आमंत्रण सूचना

ATS Advantage Society
इंदिरापुरम, गाजियाबाद (उ.प्र.)–201014 में सोसायटी, एशियन पेंट्स एवं अनुमोदित एप्लीकेटर/कॉन्ट्रैक्टर के मध्य संपादित अनुबंध के अंतर्गत किए जा रहे पेंटिंग एवं सिविल कार्यों के व्यापक ऑडिट (Comprehensive Audit) हेतु पात्र एवं अनुभवी एजेंसियों/फर्मों/कंसल्टेंट्स से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
कार्य के अंतर्गत साइट निरीक्षण एवं तकनीकी सत्यापन, मात्रा मिलान एवं बिल परीक्षण/सत्यापन, अनुपालन सत्यापन, ऑडिट रिपोर्ट एवं सुझाव प्रस्तुत करना, पेंटिंग एवं सिविल कार्य प्रक्रिया की समीक्षा, लागत, गुणवत्ता एवं विनिर्देशों का तुलनात्मक विश्लेषण, सामग्री उपभोग एवं कार्य गुणवत्ता का आकलन, माप, रिकॉर्ड, सहायक दस्तावेज, उप-ठेकेदारों को किए गए भुगतान एवं लंबित कार्यों का सत्यापन आदि शामिल होंगे।
निविदा दस्तावेज सोसायटी के AOA कार्यालय से दिनांक 28 मई 2026 से 31 मई 2026 तक प्राप्त किए जा सकते हैं।
निविदा शुल्क : 500/-
पूर्ण रूप से भरे हुए सीलबंद निविदा प्रपत्र दिनांक 31 मई 2026 सायं 5 :00 बजे तक AOA कार्यालय में जमा किए जाने अनिवार्य हैं।
अधिक जानकारी एवं विस्तृत विवरण हेतु सोसायटी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।
A, ATS Advantage Society,
Indirapuram, Ghaziabad

बंगाल में फिर धरने की राजनीति
विधानसभा अध्यक्ष नहीं मिले तो गेट के बाहर बैठे टीएमसी नेता, लगाया अनदेखी का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद से सियासी हलचल थमने का नाम नहीं ले रही है। कोलकाता में आज एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। विधानसभा में विपक्ष के नेता और टीएमसी के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने पार्टी नेता कुणाल घोष के साथ मिलकर विधानसभा अध्यक्ष के कमरे के बाहर धरना दिया।

ये दोनों नेता विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मिलना चाहते थे। आरोप है कि अध्यक्ष ने उनसे मुलाकात नहीं की, जिसके विरोध में वे उनके चैंबर के बाहर ही जमीन पर बैठ गए। टीएमसी नेताओं का कहना है कि वे अपनी बात रखने आए थे, लेकिन उन्हें समय नहीं दिया गया। धरने के दौरान शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि वे केवल अध्यक्ष से मिलने के लिए यहां आए हैं। वहीं कुणाल घोष ने इस स्थिति पर नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि पार्टी के सबसे वरिष्ठ विधायक अध्यक्ष से बात करने के लिए यहां बैठे हैं यही तो लोकतंत्र है। उन्होंने कहा इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है।

'अवैध घुसपैठ से बदल रही जनसंख्या', गृह मंत्रालय ने जताई चिंता, कहा- सीमावर्ती इलाकों से आगे बढ़ा असर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में अवैध घुसपैठ और असामान्य जनसंख्या बदलावों को लेकर चिंता जताई है। गृह मंत्रालय ने कहा है कि अवैध प्रवास के कारण होने वाले जनसांख्यिकीय बदलाव अब केवल सीमावर्ती जिलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उनका असर शहरी क्षेत्रों, औद्योगिक गलियारों, आदिवासी इलाकों और सामाजिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। इसी मुद्दे की विस्तृत जांच और अध्ययन के लिए केंद्र सरकार ने एक हाई लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज का गठन किया है।

इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि देश के कई हिस्सों में जनसंख्या संरचना में ऐसे बदलाव देखे गए हैं, जिन्हें सामान्य जन्म दर या मृत्यु दर से नहीं जोड़ा जा सकता। मंत्रालय के अनुसार, इसके पीछे अवैध घुसपैठ, अनियमित आबादी का स्थानांतरण और प्रशासनिक लापरवाही जैसे कारण हो सकते हैं।

अमित शाह ने की थी समिति की घोषणा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कल यानी मंगलवार को इस समिति के गठन की घोषणा की थी। समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और इसमें जनगणना आयुक्त के अलावा पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और डॉ. शामिका रवि सदस्य होंगे। समिति को एक वर्ष के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी।

यूपी: आज से प्रदेश में तूफान और बारिश का अलर्ट, आठ से दस डिग्री तक गिरेगा पारा

लखनऊ। नौतपा के दौरान भीषण गर्मी और तपिश से जूझ रहे उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के असर से 28 से 31 मई के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में प्री-मानसून बारिश, तेज हवाओं और गरज-चमक की संभावना जताई है। कई जिलों में ओलावृष्टि की भी आशंका है।

बारिश और तेज हवाओं के असर से प्रदेश के तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है। इससे लोगों को अगले एक सप्ताह तक लू और झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिल सकती है। एक हफ्ते बाद तपिश भरे दिनों की फिर से वापसी होगी। फिलहाल बृहस्पतिवार को बुंदेलखंड व प्रयागराज में लू और तपिश महसूस की जाएगी। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से चल रही नम हवाएं आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 28 मई से प्रदेश में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है।

100 किमी प्रति घंटे से ज्यादा हो सकती है हवाओं की गति

मौसम विभाग ने 29 मई के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। कुछ स्थानों पर हवाओं की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

यहां है ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट

सहारनपुर, शामती, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी व आस पास के क्षेत्र।

12 से ज्यादा गोली मारकर कत्ल: 23 साल के अक्की पर ताबड़तोड़ फायरिंग, मौके पर मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में मंगलवार देर रात एक युवक राजा मेवाती उर्फ अक्की उर्फ आकिब (23) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बदमाशों ने आकिब पर दर्जनभर से अधिक गोलियां दागीं। कई गोलियां उसको लगीं और उसकी उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरूआती जांच के दौरान पता चला है कि आकिब के खिलाफ अलग-अलग थानों में पांच मुकदमें दर्ज थे। पुलिस आशंका जता रही है कि रंजिश की वजह से उसको मौत के घाट उतारा गया। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला है। उसके आधार पर पता चला है कि स्कूटी सवार दो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस को मामले में कुछ सुराग मिले हैं। बदमाशों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि मंगलवार देर रात उनकी टीम को सूचना मिली कि खजूरी खास के एफ-ब्लॉक, गली नंबर-8 में एक युवक को स्कूटी सवार बदमाशों ने कई गोलियां मार दी हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली | गुरुवार 28 मई -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

बढ़ती पेट्रोल की कीमतों पर केंद्र सरकार पर सपा-कांग्रेस नेताओं ने किया तीखा हमला

सरकार का कहना है कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सिर्फ पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विपक्षी दल कांग्रेस का कहना है कि सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई दर लगातार बढ़ रही है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। होर्मुज जलडमरू मध्य से जहाजों के आने जाने पर लगे प्रतिबंध की वजह से कच्चे तेल की सप्लाई चैन बुरी तरह प्रभावित हुई है। जिस कारण कच्चे तेल का आयात नहीं हो पा रहा है। कच्चे तेल का आयात नहीं होने के कारण स्टॉक प्रभावित होने लगा है। यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के सभी देशों में ऐसा हो रहा है। इसका असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में देखा जा रहा है। पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी की गई है। पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमत करीब 7 रुपए से अधिक और सीएनजी की कीमत भी 6 रुपए से अधिक हो गई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में भारी वृद्धि के कारण महंगाई बढ़ गई है। सरकार का कहना है कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में सिर्फ पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है लेकिन मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का कहना है कि सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई दर लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल डीजल की कीमत और आम उपयोगी सामानों के दामों में बढ़ोतरी को लेकर करंट क्राइम ने कांग्रेस और सपा के नेताओं ने तीखा हमला किया है।

मोदी सरकार ने अमेरिका के आगे घुटने टेक दिए हैं : सतीश शर्मा जिला अध्यक्ष

करंट क्राइम। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा का कहना है कि नरेंद्र मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण दुनिया में भारत की साख कम हुई है। गलत विदेश नीति के कारण ही भारत में तेल के आयात को

अमेरिका निर्धारित कर रहा है। यह अमेरिका है जो तय कर रहा है कि भारत को कहां से तेल खरीदना होगा। मोदी सरकार ने भारत के सम्मान और स्वाभिमान को अमेरिका के सामने गिरवी रख दिया है। जब ईरान युद्ध से विश्व के सामने कच्चे तेल की समस्या खड़ी हो गई थी तो भारत सरकार ने अमेरिका के आगे घुटने टेकते हुए रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया जिससे हमारे आयात खर्च में बढ़ोतरी हो गई। होर्मुज के रास्ते को बंद किए जाने के बाद संकट और गहरा गया है। ईरान ने चीन पाकिस्तान जैसे देशों के जहाज को होर्मुज जल डमरू मध्य से आने-जाने की छूट दे रखी है लेकिन भारत को नहीं दी है। यह भारत के गलत विदेश नीति का ही परिणाम है। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा का कहना है कि पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का असर आम जनमानस पर पड़ेगा। जन उपयोगी सारी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दूध की कीमत में 2रुपए के बढ़ोतरी कर दी गई है आटा, तेल की कीमत आसमान छू रही है ऐसे में निम्न और मध्यम वर्गीय परिवार कैसे अपना गुजारा करेंगे यह सोचने वाली बात है।

महंगाई से आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है: दीपा कौल

करंट क्राइम। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दीपा कौल का कहना है कि महंगाई से आम लोगों का जीना मुश्किल होता जा रहा है मोदी सरकार सिर्फ उच्च वर्ग के हितों का ध्यान कर रही है। निम्न एवं मध्यम

वर्गीय परिवार महंगाई की मार खेल रहा है। जब जब तेल वितरण करने वाली कंपनियां रस से सस्ती दर पर तेल खरीद रही थी उसे समय बहुत ज्यादा मुनाफा कमाया लेकिन जैसे ही मध्य एशिया संकट के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई तेल वितरण करने वाली कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी। दीपा कॉल ने कहा कि कांग्रेस की नीति हमेशा निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के हित के लिए रही है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद और संसद से बाहर कई बार केंद्र सरकार की गलत नीतियों का उल्लेख किया है। आज जनता उनकी बातों को समझ रही है।

सरकार को गरीबों को हो रही परेशानी से कोई लेना देना नहीं है: बिजेंद्र यादव

करंट क्राइम। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और पूर्व जिला अध्यक्ष बिजेंद्र यादव का कहना है कि पेट्रोल डीजल और सीएनजी की कीमतों में भारी

बढ़ोतरी से आमजन जनजीवन की कमर टूट चुकी है। लोग किस तरह जीवन यापन कर रहे हैं यह केंद्र सरकार नहीं समझ सकती। केंद्र सरकार को निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों से कोई लेना देना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोना नहीं खरीदने और पेट्रोल डीजल की बचत करने की अपील कर यह साबित कर दिया कि देश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का यह कहना सही है कि यह सरकार अगले 1 साल में गिर जाएगी लोगों में सरकार के प्रति एक निराशा का भाव दिख रहा है। बिजली की दरों में बढ़ोतरी, हाउस एवं कमर्शियल टैक्स में बढ़ोतरी सोने चांदी में लगातार उछाल रुपए की कीमत में लगातार गिरावट यह कुछ ऐसी सच्चाई है जो यह साबित कर रही है कि सरकार की आर्थिक एवं विदेश नीति गलत ट्रैक पर चल रही है।

मोदी सरकार ने पश्चिम एशिया के देशों से संबंध बिगाड़ लिए हैं: विजय चौधरी

करंट क्राइम। पूर्व महानगर अध्यक्ष व पूर्व मेयर प्रत्याशी विजय चौधरी का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से एक और जहां आम जरूरत के सामानों की कीमत में भारी बढ़ोतरी हो रही है वहीं जीवन से जुड़े हर कार्य भी महंगे हो गए हैं। सीमेंट लोहा आदि महंगा हो गया है तो वही हवाई यात्रा और रेल यात्रा भी अब लोगों के लिए मुश्किल होती जा रही है। देश को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का दंभ भरने वाली मोदी सरकार देश को नहीं चला पा रही है। आर्थिक क्षेत्र ही नहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार की असफलता सामने आ गई है। सरकार नीट जैसी परीक्षा सफल ढंग से नहीं कर पा रही है। सरकार में अगर जरा भी नैतिकता बची है तो उसे तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस के शासनकाल में कच्चे तेल के मामले में मध्य पूर्व एशिया के देशों से हमारे अच्छे संबंध थे लेकिन मोदी सरकार ने इसराइल के साथ दोस्ती निभाने के चक्कर में संबंध बिगाड़ लिए हैं। जिस कारण संकट के समय कोई भी देश भारत की मदद के लिए आगे नहीं आ रहा है।

महंगाई-बेरोजगारी से आम आदमी की कमर टूट गई : अमरपाल शर्मा

करंट क्राइम। पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा ने पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम, रसोई गैस की भारी कीमतों, चरमराती बिजली व्यवस्था और पेपर लीक के मुद्दों पर सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को सरकार की ₹जुमलेबाजी₹ करार दिया। अमरपाल शर्मा ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम रोज नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। रसोई गैस सिलेंडर आए दिन महंगा हो रहा है। रोजमर्रा की चीजों की कीमतों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बिजली व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि भीषण गर्मी में भी घंटों बिजली कटौती हो रही है। ट्रिपिंग और लो वोल्टेज से लोग परेशान हैं। किसान को सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिल रही। डीजल महंगा होने से खेती की लागत बढ़ गई है। पूर्व विधायक ने पेपर लीक के मुद्दे पर कहा कि युवाओं का भविष्य अंधकार में है। युवाओं को रोजगार दिया जाए। यदि जनता को राहत नहीं मिली तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

महंगाई की आड़ में मोदी सरकार लूटपाट में लगी हुई है : आशुतोष गुप्ता

करंट क्राइम। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता आशुतोष गुप्ता का कहना है कि केंद्र की मोदी सरकार लूटपाट करने में लग गई है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 66 डॉलर प्रति बैरल हुआ करती थी तो सरकार ने आम लोगों को कोई राहत नहीं दी। तब भी भारत में पेट्रोल-डीजल 92 रुपए के आसपास बिक रहे थे। सरकार उस समय जबरदस्त मुनाफा कमा रही थी। अब जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल हो गई है तो सरकार को एहसास हो रहा है। जब दाम कम थे उसे समय बचाए गए पैसों का उपयोग इस समय बढ़े हुए दाम पर क्यों नहीं किया जा रहा है। तेल कंपनियों को अपनी मनमानी करने की छूट क्यों दी जा रही है? महंगाई की मार चारों तरफ पडने लगी है। घी दूध आटा सब्जी ऐसी कोई चीज नहीं है जो आसमान नहीं छू रही है। कंप्यूटर जॉब के दाम भी बढ़ गए हैं। आने वाले समय में परिस्थितियों और भी विकट होगी क्योंकि गर्मी के समय दुकानों में सन्नाटा छाया रहता है।

महंगाई की मार से गरीब आदमी बेहाल, गैस सिलेंडर नदारद : मोहम्मद कल्लन

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के पूर्व पार्षद मोहम्मद कल्लन ने बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रोज बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दाम और रसोई गैस की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। मोहम्मद कल्लन ने कहा, एक तरफ पेट्रोल और डीजल के दाम हर दिन आसमान छू रहे हैं, तो दूसरी तरफ बाजार में गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत हो गई है। इसका सीधा असर गरीब

और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। महंगाई की दोहरी मार से गरीब जनता बेहाल है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का सीजन चल रहा है। इस समय घरों में गैस की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। लेकिन लोगों को घंटों लाइन में लगने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। कई इलाकों में ब्लैक में सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। गरीब परिवार चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। पूर्व पार्षद ने आरोप लगाया कि सरकार केवल बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और है।

कमरतोड़ महंगाई से किसान और आम आदमी बेहाल : वीरेंद्र यादव

करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट ने भाजपा सरकार पर महंगाई को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के आने के बाद से महंगाई 'कमरतोड़' हो चुकी है और आम जनता के साथ किसान भी इससे बुरी तरह त्रस्त हैं। वीरेंद्र यादव ने कहा कि गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ने से आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। रसोई का खर्च संभालना मुश्किल हो गया है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की थाली से भोजन गायब हो रहा है। लोग दो वक्त की रोटी के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने किसानों की समस्या उठाते हुए कहा कि डीजल महंगा होने और लगातार हो रही भारी बिजली कटौती के कारण किसानों के सामने सिंचाई और खेती का गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। फसल की लागत कई गुना बढ़ गई है, लेकिन आमदनी नहीं बढ़ रही। किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। सपा महानगर अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने चुनावों के कारण कुछ समय के लिए तेल की कीमतें रोके रखीं। चुनाव खत्म होते ही जनता पर महंगाई का बोझ डाल दिया गया। यह जनता के साथ धोखा है।

महंगाई की मार से गरीब और मध्यम वर्ग परेशान : नरेंद्र राठी

करंट क्राइम। कांग्रेस नेता नरेंद्र राठी ने बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महंगाई की मार से गरीब और मध्यम वर्ग के लोग सबसे ज्यादा परेशान हैं। रोज बढ़ रहे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों पर तुरंत अंकुश लगाया जाना चाहिए। नरेंद्र राठी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल के दाम हर दिन बढ़ रहे हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। माल ढुलाई महंगी होने से सब्जी, फल और रोजमर्रा की चीजों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। रसोई गैस सिलेंडर के दाम रोज बढ़ रहे है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए चूल्हा जलाना मुश्किल हो गया है। कई परिवार वापस लकड़ी और कंडे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। सरकार उज्ज्वला योजना के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन सिलेंडर भरवाने के पैसे नहीं हैं तो योजना का क्या फायदा। नरेंद्र राठी ने कहा कि महंगाई से किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार और नौकरीपेशा सभी वर्ग त्रस्त हैं। आमदनी नहीं बढ़ रही लेकिन खर्च लगातार बढ़ रहा है। त्योहारों के समय भी लोगों के चेहरों पर खुशी नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों को तुरंत कम किया जाए।

'अखिलेश जी, आपको अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखना चाहिए, टोटकों पर नहीं' : बालेश्वर त्यागी

समाजवादी टोने टोटके, पोंगापंथी और पाखंड पर कभी विश्वास नहीं करते रहे हैं। उनका यह कार्य न केवल उनके परिश्रम और पुरुषार्थ का अपमान कर रहा है बल्कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के परिश्रम पर भरोसे को नकार रहा है। यह चुनाव से पहले ही जनता के विवेक पर भी अविश्वास है। लोकतंत्र में जनता को ही जनार्दन कहा गया है। अखिलेश जी को अपने कृतत्व और परिश्रम पर भरोसा करना चाहिए।

प्रमुख बातें

1 शुरूआत में अलग और आधुनिक नेता की छवि
बालेश्वर त्यागी लिखते हैं कि मुख्यमंत्री बनने के बाद अखिलेश यादव ने पारंपरिक समाजवादी राजनीति से हटकर एक युवा, सहज और संवेदनशील नेता की छवि बनाई थी। लोगों से सीधे मिलना और युवाओं से संवाद उनकी खास पहचान बना।

2 सहज व्यवहार ने दिलाई अलग पहचान
बालेश्वर त्यागी के अनुसार उनकी बिंदास हंसी, बिना दंभ का व्यवहार और आम लोगों की समस्याओं को सुनने की शैली उन्हें पुराने नेताओं से अलग करती थी। उनमें बनावटीपन कम दिखाई देता था।

3 समय के साथ पुरानी राजनीति की ओर झुकाव
बालेश्वर त्यागी मानते हैं कि बाद में राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी की पारंपरिक शैली ने उन्हें फिर उसी पुरानी समाजवादी राजनीति की राह पर ला खड़ा किया।

4 टोटकों और ज्योतिष पर भरोसे से निराशा
बालेश्वर त्यागी ने बाल बढ़ाने को लेकर पंडित की सलाह मानने वाले बयान पर निराशा जताई है। उनके अनुसार एक शिक्षित और आधुनिक छवि वाले नेता से अंधविश्वास या टोने-टोटकों से दूरी की अपेक्षा थी।

5 लोकतंत्र में जनता और परिश्रम पर भरोसा जरूरी
बालेश्वर त्यागी का कहना है कि राजनीति में सफलता का आधार परिश्रम, विचार और जनता का विश्वास होना चाहिए, न कि टोटके या पाखंड। उनका मानना है कि नेता को अपने पुरुषार्थ और जनता के विवेक पर भरोसा रखना चाहिए।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मैं कभी समाजवादी पार्टी का समर्थक नहीं रहा। लेकिन अखिलेश यादव जी जब प्रदेश के मुख्य मंत्री बने तो उनकी कार्यशैली ने मुझे जरूर प्रभावित किया। अगर समाजवादी पार्टी का लगेज जो उनको विरासत में मिला,उसे छोड़ दें तो अखिलेश यादव ने एक मुख्यमंत्री के रूप में लीक से हटकर एक अच्छी शुरूआत की थी।

उनका लोगों से मिलना, उनकी बातों को सुनना और लोगों की सहायता के लिए उद्यत होना उन्हें पूर्व के नेताओं से उनकी अलग छवि बना रहा था। युवाओं से भी सहजता से मिलना, उनसे फिडबैक लेना और उनके सुझावों पर गौर करना उन्हें समाजवादियों की लीक से हटकर कार्य करने वाले युवा नेता की एक अलग छवि बना रहा था।

उनकी बिंदास हंसी जिसमें न कोई छल और न कोई दंभ होता था, उन्हें राजनीति में अलग पहचान देती थी। लेकिन कालांतर में शायद समाजवादियों की राजनीति की विवशता ने उन्हें पुरानी लीक पर ही चलने को विवश कर दिया था। आजकल अखिलेश यादव जी ने अपने बाल बढ़ा लिए हैं। यह उनका अपना निजी मामला है, वह जैसा चाहें वैसा अपना बाल विन्यास रखें। मुझे उस पर कोई टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन मैंने एक दिन उनके मुँह से ही टेलीविजन पर जब सुना कि वे किसी पंडित के कहने से बाल बढ़ा रहे हैं, तो आश्चर्य हुआ। उन्होंने कहा था कि जैसा पंडित जी कहेंगे वैसा करूंगा। वे कहेंगे तो बाल बढ़ाऊंगा और जब कहेंगे तो करवाऊंगा। वह पहले भी हमें सफलता दिला चुके हैं। एक उच्च शिक्षित युवा और वर्तमान समय में राजनीति में सफलता के लिए बाल बढ़ाने जैसे टोटके अपना रहे हैं तो निराशा हुई। विदेश में शिक्षित युवा इंजीनियर भी ऐसे टोने टोटकों के सहारे सत्ता प्राप्त करने का प्रयास करना उनके व्यक्तित्व के साथ मेल नहीं खाता है।

समाजवादी भी कभी ऐसे टोने टोटके, पोंगापंथी और पाखंड पर कभी विश्वास नहीं करते रहे हैं। उनका यह कार्य न केवल उनके परिश्रम और पुरुषार्थ का अपमान कर रहा है बल्कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के परिश्रम पर भरोसे को नकार रहा है। यह चुनाव से पहले ही जनता के विवेक पर भी अविश्वास है। लोकतंत्र में जनता को ही जनार्दन कहा गया है। अखिलेश जी को अपने कृतत्व और परिश्रम पर भरोसा करना चाहिए।

गाजियाबाद प्रीमियर लीग में दहाड़ेगा समरकूल टाइगर्स का जुनून 'मिस्टर कूल' संजीव गुप्ता ने भरी जीत की हुंकार

सुरेश रैना की मौजूदगी में लॉन्च हुई समरकूल टाइगर्स की जर्सी

समरकूल टाइगर्स
जीपीएल में रोमांच और प्रतिष्ठा की जंग हुई तेज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में क्रिकेट का जुनून अब चरम पर पहुंच चुका है। गाजियाबाद प्रीमियर लीग (जीपीएल) में इस बार समरकूल टाइगर्स की एंट्री ने पूरे टूर्नामेंट को हाईवोल्टेज बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सुरेश रैना की मौजूदगी में जब टीम की जर्सी लॉन्च हुई तो माहौल तालियों, उत्साह और जीत के नारों से गूंज उठा।

इस पूरे आयोजन के केंद्र में रहे समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव गुप्ता, जिन्हें कारोबारी और खेल जगत में 'मिस्टर कूल' के नाम से जाना जाता है। संजीव गुप्ता ने साफ कर दिया कि समरकूल टाइगर्स केवल एक टीम नहीं, बल्कि गाजियाबाद की नई खेल पहचान बनने जा रही है। जीपीएल के इस महाकुंभ में एक और नाम खास चर्चा में है – राकेश मिश्रा। क्रिकेट जगत और आयोजन से जुड़े लोग मानते हैं कि गाजियाबाद प्रीमियर लीग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में राकेश मिश्रा की भूमिका बेहद अहम है। फ्रेंचाइजी मीट से लेकर खिलाड़ियों के चयन और लीग की ऊर्जा को बढ़ाने तक, हर मंच पर उनकी सक्रिय मौजूदगी दिखाई दे रही है।

हर मैच में दिखेगा रोमांच, हर गेंद पर बढ़ेगा जोश

करंट क्राइम। समरकूल टाइगर्स को लेकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया से लेकर खेल मैदानों तक केवल इसी टीम की चर्चा है। क्रिकेट प्रेमियों का मानना है कि आक्रामक रणनीति, युवा जोश और मजबूत नेतृत्व के दम पर यह टीम पूरे टूर्नामेंट की सबसे बड़ी दावेदार बनकर उभरेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि जब ह्लमिस्टर कूलह्व संजीव गुप्ता का विजन, सुरेश रैना का क्रिकेट अनुभव और राकेश मिश्रा जैसे आयोजकों की सक्रियता एक साथ जुड़ जाए, तो मुकाबला केवल खेल नहीं बल्कि प्रतिष्ठा की जंग बन जाता है।

संजीव गुप्ता बोले – 'समरकूल टाइगर्स इतिहास रचने उतरी है'

करंट क्राइम। समरकूल के चेयरमैन संजीव गुप्ता ने कहा कि गाजियाबाद में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और जीपीएल युवाओं के लिए बड़ा मंच बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम केवल खेलने नहीं, बल्कि चैंपियन बनने के इरादे से मैदान में उतर रही है। उन्होंने क्रिकेट प्रेमियों से अपील करते हुए कहा कि पूरा शहर समरकूल टाइगर्स का समर्थन करे, क्योंकि यह टीम गाजियाबाद के सम्मान और गौरव की लड़ाई लड़ने जा रही है।

राकेश मिश्रा के विजन से गाज़ियाबाद को मिल रही है बड़ी पहचान : संजीव गुप्ता

करंट क्राइम। राकेश मिश्रा ने जिस ऊर्जा और समर्पण के साथ गाजियाबाद प्रीमियर लीग को नई पहचान देने का काम किया है, वह बेहद सराहनीय है। उनका विजन और मेहनत ही इस लीग को गाजियाबाद का सबसे बड़ा क्रिकेट मंच बना रही है। हमें विश्वास है कि जीपीएल आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाएगी।

संपादकीय

महंगाई से जनता बेहाल

पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम 11 दिनों में चौथी बार बढ़ाए गए हैं। कुल वृद्धि करीब 7.50 रुपए प्रति लीटर हो गई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह बढ़ोतरी 25 रुपए तक जा सकती है। फिर भी यह कोई नई, चौंका देने वाली खबर नहीं है, क्योंकि यूपीए सरकार में भी 150-166 फीसदी तक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए थे और मौजूदा सरकार भी बढ़ा रही है। ये दाम ईरान युद्ध से उपजे संकट के कारण ही नहीं बढ़ाए गए, बल्कि सरकार की तेल कंपनियों की अपनी ही अर्थव्यवस्था है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और मंत्रालय की प्रवक्ता सुजाता शर्मा लगातार खुलासा करते रहे हैं कि तेल कंपनियां अब भी औसतन 600 करोड़ रुपए का घाटा झेल रही हैं। मंत्री जी ने तो यह घाटा 1 लाख करोड़ रुपए का बताया था और कई बार, कई मंचों पर ऐसे घाटे का रोना रोया था, लेकिन कुछ डाटा सामने आया है, जो मंत्रालय-मंत्री और तेल कंपनियों की ह्यझूठी अर्थव्यवस्थाह्न को बेनकाब करता है। 2025-26 की आखिरी तिमाही (जनवरी-31 मार्च) के दौरान भारत सरकार की तीन विराट तेल कंपनियों ने 19,470 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाया। ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू हो चुका था, लेकिन युद्ध के बावजूद अकेली इंडियन ऑयल कंपनी ने 11,378 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। ह्यभारत पेट्रोलियम और ह्यहिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के मुनाफे अलग हैं। वित्त वर्ष की आखिरी तारीख 31 मार्च, 2026 तक तीनों तेल कंपनियों ने कुल 77,280 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया। मीडिया में कुछ आंकड़े भिन्न भी दिए गए हैं, जिनके अनुसार सरकारी तेल कंपनियों का मुनाफा 85,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है। निष्कर्ष यह है कि तीनों तेल कंपनियों ने मोटा मुनाफा अर्जित किया है। आम भारतीय और उपभोक्ता सवाल कर सकते हैं कि 15-25 मई के दरमियान पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम क्यों बढ़ाए गए? तेल कंपनियां कुछ घाटा वहन नहीं कर सकतीं, तो क्या आम आदमी को ही बार-बार बलि का बकरा बनाया जाता रहेगा? क्या तेल कंपनियों के मुनाफे आम करदाता, उपभोक्ता की जेब से ही वसूले नहीं जाते? तो फिर पेट्रोल-डीजल किस्तों में महंगे क्यों किए जा रहे हैं? सबसे संवेदनशील मुद्दा यह है कि मंत्री और मंत्रालय लगातार झूठ क्यों परोसते रहे? यह संविधान और शपथ का भी उल्लंघन है। केंद्र सरकार पेट्रो उत्पादों पर उत्पाद-शुल्क वसूलती है, तो राज्य सरकारें उस पर 2.29 लाख करोड़ रुपए वैट के जरिए कमाती हैं। क्या लोकतंत्र में आम आदमी ही बकरा बन कर रह गया है, जिसकी बार-बार बलि दी जाती है? वैट कमाने में भी महाराष्ट्र, उप्र, गुजरात की सरकारें सर्वोच्च तीन में शामिल हैं। तीनों राज्यों में ही भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। वैट इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि केंद्र लंबे वक्त तक राज्य सरकारों को उनके हिस्से का पैसा नहीं देता, लिहाजा वैट ही राज्य सरकारों का बुनियादी आर्थिक संसाधन है। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि हमारी राजनीति रेवडिों और मुफ्तखोरी की है, सबसिडी भी लाखों करोड़ों में देनी पड़ती है।

1-4 जून तक भारत दौरे पर आएगा अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल

द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर होगी वार्ता

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल 1 से 4 जून तक भारत आएगा। दोनों देश अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने और बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत तेज करने की तैयारी में हैं। इससे पहले की बैठकों में बाजार पहुंच, टैरिफ से अहम मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल 1 से 4 जून तक भारत दौरे पर आएगा। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं। साथ ही व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बातचीत को भी आगे बढ़ाया जाएगा। अप्रैल की वाशिंगटन डीसी में बैठक से मिली गति यह दौरा अप्रैल में हुई उच्च स्तरीय बैठकों की ही अगली कड़ी है। अप्रैल महीने में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वाशिंगटन डीसी का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों के बीच अंतरिम समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए आमने-सामने विस्तृत चर्चा हुई थी।

व्यापार वार्ता के मुख्य बिंदु

पिछले महीने हुई इन रणनीतिक वाताओं में दोनों पक्षों ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक और आर्थिक क्षेत्रों पर चर्चा की। इनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दे शामिल रहे:

बाजार पहुंच: दोनों देशों के उत्पादों के लिए एक-दूसरे के बाजारों में आसान पहुंच सुनिश्चित करना।

टैरिफ और तकनीकी बाधाएं: गैर-टैरिफ उपायों और व्यापार में आने वाली तकनीकी बाधाओं को दूर करना।

व्यापार सुविधा: सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना और निवेश प्रोत्साहन को बढ़ावा देना।

भविष्य का व्यापार: आर्थिक सुरक्षा और तेजी से उभरते डिजिटल व्यापार के मोर्चे पर तालमेल बिठाना।

फरवरी का समझौता और भविष्य का आउटलुक व्यापारिक संबंधों को संस्थागत रूप देने के लिए सात फरवरी को एक अहम कदम उठाया गया था, जब भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी किया था। इस बयान में पारस्परिक और लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा तय की गई थी। इसी फ्रेमवर्क ने व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर दोनों देशों की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

अप्रैल की सफल बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने व्यापार वार्ता की इस सकारात्मक गति को आगे भी बनाए रखने पर सहमति जताई थी। अब बाजार और उद्योग जगत की निगाहें अमेरिकी टीम के आगामी भारत दौरे पर टिकी हैं, जो दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच इस रणनीतिक साझेदारी को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभा सकता है।

एअर इंडिया और इंडिगो ने घरेलू उड़ानें घटाने का किया फैसला

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के बीच एअर इंडिया और इंडिगो ने बड़ा फैसला लिया है। दोनों प्रमुख एयरलाइंस 1 जून से अपनी घरेलू उड़ानों की क्षमता में कटौती करेंगी। यह कदम अगले तीन महीने तक लागू रहेगा, जिससे हवाई यात्रियों को परेशानी हो सकती है।

कई सूत्रों ने इस निर्णय के पीछे विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तेज वृद्धि को मुख्य कारण बताया है। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इसका सीधा असर एयरलाइंस की परिचालन लागत पर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, स्कूल की छुट्टियों के बाद आने वाली मौसमी मंदी भी एक प्रमुख वजह है।

एयर इंडिया अपने घरेलू परिचालन में 15 फीसदी तक की कमी करेगी। वहीं, इंडिगो अपनी सेवाओं में पांच से सात फीसदी की कटौती करने की योजना बना रहा है। यह कटौती परिचालन लागत को नियंत्रित करने और नुकसान को कम करने के लिए की जा रही है। यह निर्णय यात्रियों के लिए कुछ असुविधा पैदा कर सकता है।

ईंधन की कीमतों का असर

विमानन टरबाइन ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। यह एयरलाइंस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। अमेरिकी-ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। इसका सीधा असर एटीएफ की लागत पर पड़ रहा है। एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च का एक बड़ा हिस्सा ईंधन पर खर्च होता है। इस वृद्धि से कंपनियों का मुनाफा प्रभावित हो रहा है।

सरकार ने पीडीएस को आधुनिक बनाने के लिए मंजूर किए 25530 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राशन दुकानों को समर्थन देने और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को आधुनिक बनाने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की सार्थक पीडीएस योजना योजना को मंजूरी दे दी है। यह योजना मार्च 2031 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी।

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार के इस बड़े कदम का सीधा और सकारात्मक असर देश के उन 80 करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा जो अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए सरकार के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर निर्भर हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ह्लआज मंत्रिमंडल ने एक ऐसा निर्णय लिया है जो देश के 80 करोड़ नागरिकों को प्रभावित करेगा। जैसा कि आप सभी जानते हैं, भारत वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम चला रहा है। इस खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के तहत 80 करोड़ नागरिकों को हर महीने बुनियादी राशन उपलब्ध कराया जाता है। यह इतना विशाल कार्यक्रम है कि इसे वैश्विक स्तर पर समावेशी विकास के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है।

पहला चरण : पहले चरण में सार्थक-पीडीएस योजना के साथ राज्य के भीतर खाद्यान्न परिवहन के लिए राज्य एजेंसियों को सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही उचित मूल्य की दुकानों के लिए समर्थन का प्रावधान होगा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का आधुनिकीकरण से जुड़ी इस योजना का कुल परिव्यय 25,530 करोड़ रुपये होगा। इसकी कुल अवधि पांच वर्ष यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक होगी।

दूसरा चरण : वैष्णव ने बताया कि पीडिएस को आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पीडीएस चरण के तहत तीन प्रमुख एआई-सक्षम मॉड्यूल का इस्तेमाल किया जाएगा। ये होंगे-

निर्मल: एआई-संचालित वास्तविक समय पीडीएस लाभार्थी रजिस्ट्री। अंतर-मंत्रालय एकीकरण और क्रॉस-स्कीम अभिसरण।

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बड़े उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र के बाद सेंसेक्स 141.90 (-0.18%) अंकों की गिरावट के साथ 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 6.55 (-0.03%) अंक टूटकर 23,907.15 के स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और भारतीय रुपये की कमजोरी का सीधा असर बुधवार को घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला।

दिन भर चले भारी उतार-चढ़ाव के बाद बाजार लाल निशान पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक संकट और मुद्रा बाजार के दबाव ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि घरेलू बाजार विदेशी घटनाओं से पूरी तरह अछूते नहीं रह सकते।

बुधवार के कारोबारी सत्र के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 141.90 अंक यानी 0.18 प्रतिशत लुढ़ककर 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 6.55 अंक यानी 0.03 प्रतिशत टूटकर 23,907.15 के स्तर पर आ गया। बाजार में दिन भर खरीदारी और बिकवाली के बीच भारी खींचतान चलती रही, लेकिन वैश्विक संकेतों के कमजोर होने के कारण अंततः बिकवाली का दबाव हावी रहा। रुपया डॉलर के मुकाबले 1 पैसा बढ़कर 95.69 (अस्थायी) पर स्थिर रहा।

बाजार की स्थिति को गहराई से समझने के लिए इंडिया वीआईएक्स के आंकड़ों पर गौर करना भी अहम है।

सेंसेक्स में सबसे ज्यादा नुकसान वाला शेयर

बाजार के इस गिरावट भरे माहौल में सबसे ज्यादा नुकसान देश के प्रमुख ऋणदाता एचडीएफसी (एचडीएफसी) बैंक के शेयरों को उठाना पड़ा। 45 करोड़ रुपये के ब्याज भुगतान से जुड़ी एक आंतरिक जांच की रिपोर्ट सामने आने के बाद निवेशकों के बीच काफी घबराहट फैल गई। इसके चलते सेंसेक्स पर एचडीएफसी बैंक के शेयर 'टॉप लूजर' (सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर) साबित हुए और इनमें करीब 3 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, बड़े शेयरों (लार्ज-कैप) में आई इस सुस्ती और दबाव के बावजूद बाजार में सब कुछ निराशाजनक नहीं रहा। व्यापक बाजार (ब्रॉडर मार्केट) ने इस वैश्विक अस्थिरता के बीच भी काफी मजबूती दिखाई। जहां एक तरफ मुख्य सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, वहीं ब्रॉडर मार्केट हरे निशान में अपना कारोबारी सत्र खत्म करने में कामयाब रहा।

रोचक तथ्यों का करंट

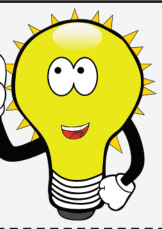

- लियो फेंडर, टेलीकास्टर और स्ट्रैटेकास्टर के आविष्कारक, गिटार नहीं बजा सकते थे।
- रॉबर्ट टेलर, साबुन-में-एक-पंप-बोतल (सोफ्ट्सओप) के आविष्कारक को पता था कि कोलगेट जैसे बड़े प्रतियोगियों अपने उत्पाद की प्रतिलिपि (नकल) करने का प्रयास करेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे उसे प्रतिलिपि नहीं कर सके, उन्होंने अमेरिका में हर छोटी बोतल हाथ पंप (100 मिलियन बोतलों) खरीदा।
- एडिसन ने साल 1 9 03 में एक हाथी को बिजली का झटका दे दिया था ताकि टेस्ला के एसी करंट को खतरनाक साबित कर सके।
- बबल व्रैप के, अल्फ्रेड फील्डिंग और मार्क चावेंस आविष्कारक मूल रूप से 3 डी प्लास्टिक वॉलपेपर बनाने की कोशिश कर रहे थे, जो कि उनकी विफलता थी।
- पेट्रोलियम जेली (वेसिलीन) के आविष्कारक रॉबर्ट चेसेब्रा, हर रोज एक चम्मच इसे खाते थे, उनका दावा था कि इसमें काफी स्वास्थ्य लाभ थे। वह 96 साल के थे।

बायजू के संस्थापक रविंद्रन को बड़ा झटका, सिंगापुर की अदालत ने अवमानना के आरोप में सुनाई छह महीने की जेल

नई दिल्ली। भारत की कभी सबसे सफल मानी जाने वाली एडटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बायजू रविंद्रन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा घटनाक्रम में सिंगापुर की एक अदालत ने उन्हें अदालत की अवमानना का दोषी मानते हुए छह महीने जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला रविंद्रन के लिए एक बहुत बड़ा झटका है, जो पहले से ही भारी आर्थिक संकट और विदेशी निवेशकों के कानूनी दावों का सामना कर रहे हैं।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टीचर - बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए, तो वो जरूर सफल होती है।
टिल्लू - रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आप मेरे सर नहीं, ससुर होते।
फिर क्या... टिल्लू की हुई जोरदार धुनाई।

एक बच्चे ने दूसरे बच्चे से पूछा - क्या तुम चीनी भाषा पढ़ सकते हो?
दूसरे बच्चे ने कहा - हां!
पहला बच्चा - कैसे?
दूसरा बच्चा - अगर वो हिंदी या अंग्रेजी में लिखी हो तो।

मास्टर जी- तुमने होमवर्क क्यों नहीं किया?
चिंटू- मैं हॉस्टल में रहता हूं ना।
मास्टर जी- तो?
चिंटू- हॉस्टल में होमवर्क कैसे कर सकता हूं?
हॉस्टल वर्क देना चाहिए था ना!
फिर चिंटू की जबरदस्त पिटाई हुई

28 05 2026 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

पियरले मैनी (अभिनेत्री)

दिशांत पाराशर | नंदिका अग्रवाल | कविश अग्रवाल | तनिष्का | गुरमीत वालिया

भव्यम शर्मा | अमृता बंसल | दीपांशु शर्मा | मुनींद्र आर्य | सूरज | वरूण यादव

राशिद चौधरी | बिजेन्द्र गौतम | संजीव त्यागी | राकेश कुमार | अमित जेठुडी | राजीव खोंसला

रामकेवल गुप्ता | तनुज खन्ना | योगेन्द्र कुमार शर्मा | इसराइल खान | ब्रहम यादव | गगनदीप शर्मा

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

आरसीबी की टीम लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। आरसीबी की टीम लगातार दूसरे साल फाइनल में पहुंची है। उसके पास क्वालिफायर-1 जीतकर खिताब जीतने के ट्रेंड को बनाए रखने का मौका है। हालांकि, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद या फिर राजस्थान रॉयल्स भी पासा पलट सकती हैं। इसके लिए हालांकि, उन्हें एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। आईपीएल का इतिहास क्या कहता है...किसका पलड़ा भारी है...

आईपीएल 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। आज एलिमिनेटर के मुकाबले में धर्मशाला में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा। यह मैच बेहद दिलचस्प रहने वाला है। इस मैच की विजेता टीम 29 मई को अहमदाबाद में होने वाले क्वालिफायर-2 मुकाबले में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 26 मई को गुजरात टाइटंस को क्वालिफायर-1 में हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। पिछले साल भी टीम क्वालिफायर-1 जीतकर सीधे फाइनल में पहुंची थी और फिर पंजाब किंग्स को हराकर चैंपियन भी बनी थी। आरसीबी के पास लगातार दूसरे साल खिताब जीतने का मौका है। सारे समीकरण और संयोग भी आरसीबी के पक्ष में हैं।

15 में से 12 बार क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम चैंपियन बनी

आईपीएल में शुरू में यानी 2008 से 2010 तक सेमीफाइनल प्रारूप में लीग के नॉकआउट मैच खेले जाते थे। हालांकि, 2011 से इसके नियम में बदलाव किए गए और प्लेऑफ की शुरूआत हुई। क्वालिफायर-1, क्वालिफायर-2 और एलिमिनेटर मैच तय किए गए। तब से लेकर 2025 तक कुल 15 सीजन हुए हैं और इसमें से 12 बार क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम ने ही फाइनल अपने नाम किया है। अब तक कुल पांच टीमों ने क्वालिफायर-1 जीतकर सीधे फाइनल में जगह बनाई और फिर खिताब भी अपने नाम किया है। सीएसके ने 2011, 2018, 2021, 2023 में, केकेआर ने 2012, 2014 और 2024 में, मुंबई ने 2015, 2019 और 2020 में, गुजरात ने 2022 में और आरसीबी ने 2025 में ऐसा किया था। यह एक ऐसा ट्रेंड है जिससे आरसीबी की टीम और फैंस खुश हो सकते हैं।

क्वालिफायर-1 जीतकर टीमें कब-कब बनीं चैंपियन

ऑन पेपर आरसीबी का दावा मजबूत

आरसीबी का यह पांचवां फाइनल है। इससे पहले टीम 2009, 2011, 2016 और 2025 में भी फाइनल में पहुंची थी। 2009 में जहां आरसीबी सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में पहुंची थी और फिर डेक्कन चार्जर्स ने उन्हें हराया था। वहीं, 2011 में आरसीबी को क्वालिफायर-1 में चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। फिर टीम क्वालिफायर-2 जीतकर फाइनल में पहुंची थी, लेकिन फाइनल में फिर से सीएसके ने आरसीबी को शिकस्त दी थी।

तीन बार क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम चैंपियन नहीं बनी

सिर्फ तीन ही बार ऐसा हुआ है जब क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम खिताब पर कब्जा न जमा पाई हो। 2013, 2016 और 2017 में क्वालिफायर-एक जीतने वाली टीम को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। खुद आरसीबी की टीम भी पहले यह भुगत चुकी है। 2016 में आरसीबी ने गुजरात लायंस को क्वालिफायर-1 में हराकर सीधे फाइनल में जगह बनाई थी।

हालांकि, इसके बाद डेविड वॉर्नर की अगुआई वाली सनराइजर्स हैदराबाद ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए फाइनल में आरसीबी को हराया था। एसआरएच एलिमिनेटर खेलते हुए फाइनल में पहुंचने और उसे जीतने वाली एकमात्र टीम है। 2016 में आरसीबी क्वालिफायर-1 जीतकर फाइनल में पहुंची थी, लेकिन फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें हराया था।

आरसीबी के फाइनल में पहुंचने पर भावुक हुए विजय माल्या

- पोस्ट में फ्रेंचाइजी को लेकर क्या लिखा?

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस को 92 रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। टीम की इस बड़ी जीत के बाद फ्रेंचाइजी के पूर्व मालिक विजय माल्या ने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर खिलाड़ियों को बधाई दी। कप्तान रजत पाटीदार की विस्फोटक पारी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने फ्ळइ को एकतरफा जीत दिलाई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (फ्ळइ) ने आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 92 रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर लिया। धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले के बाद टीम के पूर्व मालिक विजय माल्या का सोशल मीडिया पोस्ट काफी चर्चा में रहा।

विजय माल्या ने आरसीबी को दी बधाई

आरसीबी की जीत के बाद विजय माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीम को बधाई देते हुए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने लिखा, 'आरसीबी के नाम्मा डोड्डा सिम्हागुलु (हमारे शेरों) को धर्मशाला में शानदार जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। आप बेंगलुरु के शेरों की तरह दहाड़े और डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में आईपीएल फाइनल में पहुंच गए।' माल्या का यह पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। आरसीबी के फैंस ने भी टीम के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की।

एलिमिनेटर मैच से पहले हैदराबाद की खास तैयारी

वैभव सूर्यवंशी के लिए तैयार किया प्लान ए, बी और सी

मुल्लांपुर। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि टीम ने एलिमिनेटर में वैभव सूर्यवंशी को रोकने के लिए प्लान ए, बी और सी तैयार किए हैं।

आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले से पहले पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद ने वैभव सूर्यवंशी को रोकने के लिए खास रणनीति तैयार कर ली है। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने खुलासा किया कि उनकी टीम ने युवा बल्लेबाज वैभव के खिलाफ प्लान ए, बी और सी तक तैयार किए हैं। मुल्लांपुर में खेले जाने वाले एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस सीजन लीग स्टेज में हैदराबाद ने राजस्थान को दोनों मुकाबलों में हराया था और अब टीम उसी आत्मविश्वास के साथ नॉकआउट में उतरने वाली है।

वैभव जैसे बल्लेबाजों के लिए अलग तैयारी जरूरी'

जियोस्टार से बातचीत में कमिंस ने कहा कि कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो कुछ ही ओवरों में मैच का रुख बदल सकते हैं, इसलिए उनके खिलाफ अतिरिक्त योजनाएं बनानी पड़ती हैं। कमिंस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आप हमेशा अपनी ताकत के हिसाब से गेंदबाजी करना चाहते हैं, लेकिन हर टीम में एक-दो ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो अकेले मैच छीन सकते हैं। ऐसे खिलाड़ियों के लिए आपको प्लान बी और सी भी तैयार रखने पड़ते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि जयपुर में वैभव ने भले ही शतक लगाया हो, लेकिन कुछ मौकों पर हैदराबाद के गेंदबाजों ने उन्हें शांत भी रखा था। कमिंस ने कहा, 'उस मैच से हमने काफी कुछ सीखा है। कुछ समय हमने उन्हें अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन कुछ समय वह हम पर हावी हो गए। अब हम उसी अनुभव का इस्तेमाल करेंगे।'

हैदराबाद को पिछले मुकाबलों से मिलेगा फायदा

कमिंस ने माना कि नॉकआउट मुकाबले नई शुरूआत होते हैं, लेकिन पुराने मैचों से मिली सीख काफी काम आती है। उन्होंने कहा, 'हमने इस सीजन राजस्थान के खिलाफ दो मैच खेले हैं। हमारे खिलाड़ियों को उनके बल्लेबाजों और गेंदबाजों की अच्छी समझ है। पिछले मैचों में मिली सफलता से टीम को आत्मविश्वास मिलेगा।' हैदराबाद फिलहाल राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लगातार छह मैच जीत चुकी है। ऐसे में टीम मानसिक बढ़त के साथ मैदान पर उतरेगी।

वैभव सूर्यवंशी बने सबसे बड़ा खतरा

15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी इस सीजन आईपीएल 2026 की सबसे बड़ी खोज बनकर उभरे हैं। युवा बल्लेबाज ने 14 पारियों में 583 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 232 से ज्यादा का रहा है। जयपुर में हैदराबाद के खिलाफ वैभव ने सिर्फ 37 गेंदों में 103 रन ठोक दिए थे। उन्होंने मात्र 36 गेंदों में शतक पूरा किया था, जो किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक था। उस दौरान वैभव ने पैट कमिंस जैसे अनुभवी गेंदबाज को भी नहीं छोड़ा और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया था।

शुरूआती ओवरों में रोकना होगी सबसे बड़ी चुनौती

एलिमिनेटर मुकाबले में हैदराबाद की पूरी रणनीति वैभव को पावरप्ले में खुलकर खेलने से रोकने पर केंद्रित रहने वाली है। इस बार कमिंस खुद शुरूआती ओवरों में वैभव के खिलाफ गेंदबाजी कर सकते हैं। साथ ही हर्षल पटेल और साकिब हुसैन भी गेंदबाजी आक्रमण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

एलिमिनेटर में करो या मरो की लड़ाई

बुधवार को होने वाले इस बड़े मुकाबले में जीतने वाली टीम क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी, जबकि हारने वाली टीम का आईपीएल 2026 सफर यहीं समाप्त हो जाएगा।

वैभव सूर्यवंशी बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड: क्रिस गेल की ऐतिहासिक उपलब्धि पर 15 साल के खिलाड़ी की नजर

मुल्लांपुर। वैभव सूर्यवंशी के पास आईपीएल 2026 एलिमिनेटर में क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। 15 वर्षीय बल्लेबाज इस सीजन 53 छक्के लगा चुके हैं और हैदराबाद के खिलाफ सात छक्के लगाते ही नया इतिहास रच देंगे।

आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में आज राजस्थान रॉयल्स की टक्कर सनराइजर्स हैदराबाद से होगी। इस अहम मुकाबले में सबसे ज्यादा नजरें 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर टिकी रहेंगी। बिहार के इस विस्फोटक बल्लेबाज के पास टी20 क्रिकेट के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ने का सुनहरा मौका है।

अगर वैभव हैदराबाद के खिलाफ सात छक्के लगाने में सफल रहते हैं, तो वह गेल का यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ देंगे

गेल के रिकॉर्ड से सिर्फ सात छक्के दूर वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अब तक 14 मैचों में 583 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 232.67 का रहा है। युवा बल्लेबाज ने एक शतक और तीन अर्धशतक भी जड़े हैं। सबसे खास बात यह है कि वैभव इस सीजन अब तक 53 छक्के लगा चुके हैं। वहीं, क्रिस गेल ने आईपीएल 2012 में 59 छक्के लगाकर एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। ऐसे में अगर वैभव हैदराबाद के खिलाफ सात छक्के लगाने में सफल रहते हैं, तो वह गेल का यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

हैदराबाद के खिलाफ चुनौती आसान नहीं

एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव के सामने चुनौती आसान नहीं रहने वाली। इस सीजन पैट कमिंस की कप्तानी वाली हैदराबाद ने राजस्थान को दोनों मुकाबलों में हराया है। ऐसे में हैदराबाद की टीम लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। अगर वैभव इस मैच में बड़ी पारी खेलने में असफल रहते हैं, तो संभव है कि इस सीजन उन्हें गेल का रिकॉर्ड तोड़ने का दूसरा मौका न मिले।

हर 4.7 गेंद में लगा रहे छक्का

वैभव सूर्यवंशी का आक्रामक अंदाज इस सीजन चर्चा का विषय बना हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक वह हर 4.7 गेंद पर एक छक्का लगा रहे हैं। इतना ही नहीं, उनके कुल रनों में 54 प्रतिशत रन सिर्फ छक्कों से आए हैं। अगर एलिमिनेटर मुकाबले में उनका बल्ला चला, तो वह सिर्फ आईपीएल ही नहीं बल्कि किसी एक टी20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बन सकते हैं।

डबल सेंचुरी का भी सपना

कुछ दिन पहले वैभव सूर्यवंशी ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि उनका अगला लक्ष्य टी20 क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड तोड़ना है।

फिलहाल यह रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 175 रन की नाबाद पारी खेली थी। 15 साल के इस युवा बल्लेबाज ने साफ कर दिया है कि उनका सपना टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने का है।

एचएस प्रणय ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व नंबर-5 जोनाथन क्रिस्टी को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली। एचएस प्रणय ने सिंगापुर ओपन सुपर 750 में शानदार वापसी करते हुए विश्व नंबर-पांच जोनाथन क्रिस्टी को 10-21, 21-12, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो भी अगले दौर में पहुंच गई, जबकि किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ पहले दौर से बाहर हो गए।

एचएस प्रणय ने बुधवार को सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-5 जोनाथन क्रिस्टी को हराकर पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली। 33 वर्षीय भारतीय शटलर ने एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में 10-21, 21-12, 21-18 से शानदार जीत दर्ज की। यह पिछले पांच वर्षों में क्रिस्टी के खिलाफ प्रणय की पहली जीत रही। इससे पहले उन्होंने इंडोनेशियाई खिलाड़ी को आखिरी बार 2021 इंडोनेशिया ओपन में हराया था।

पहले गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी

मैच की शुरूआत प्रणय के लिए अच्छी नहीं रही। क्रिस्टी ने पहले गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए इंटरवल तक 11-5 की बढ़त बनाई और फिर आसानी से 21-10 से गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की। प्रणय ने शुरूआत से ही बढ़त बनाई और इंटरवल तक 11-7 से आगे रहे। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशियाई खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-12 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक गेम में दिखाया दम

तीसरा और निर्णायक गेम बेहद रोमांचक रहा। शुरूआत में क्रिस्टी 6-3 से आगे थे, लेकिन प्रणय ने लगातार अंक जुटाते हुए 13-11 की बढ़त बना ली। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। एक समय क्रिस्टी 18-16 से आगे निकल गए थे, लेकिन भारतीय स्टार ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए लगातार पांच अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता रणधीर सिंह का निधन, भारतीय खेल जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के दिग्गज प्रशासक और एशियाई खेलों में भारत के पहले शूटिंग स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे और लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। हाल ही में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (डउअ) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। उनके निधन से भारतीय खेल जगत में शोक की लहर है।

भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ प्रशासक और एशियाई खेलों में भारत के पहले शूटिंग स्वर्ण पदक विजेता रणधीर सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। बताया गया है कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। बाद में उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

हाल ही में छोड़ा था ओसीए अध्यक्ष पद

रणधीर सिंह ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें वर्ष 2024 में चार साल के कार्यकाल के लिए ओसीए का अध्यक्ष चुना गया था। वह लंबे समय तक एशियाई और भारतीय खेल प्रशासन से जुड़े रहे और खेलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शूटिंग में रचा था इतिहास

रणधीर सिंह भारत के पहले ऐसे निशानेबाज थे जिन्होंने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय शूटिंग के इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है।

IPL 2026: RCB से शर्मनाक हार के बाद बिफरे फिलिप्स

धर्मशाला। आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से 92 रन की करारी हार के बाद गुजरात टाइटंस का माहौल तनावपूर्ण नजर आया। कप्तान शुभमन गिल और कोच आशीष नेहरा पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं पहुंचे, जबकि न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने मीडिया का सामना किया। इस दौरान एक सवाल पर फिलिप्स नाराज हो गए और उसे ह्लबेवकूफी भरा सवालह्ल बता दिया। उन्होंने टीम की खराब फील्डिंग और 250 से ज्यादा रन के लक्ष्य के दबाव को हार की बड़ी वजह बताया।

गुजरात टाइटंस को क्वालिफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 92 रन से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच आशीष नेहरा पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं पहुंचे। उनकी जगह न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स को मीडिया के सामने भेजा गया। हालांकि गुजरात अभी भी क्वालिफायर-2 जीतकर फाइनल में पहुंच सकती है, लेकिन आरसीबी के खिलाफ मिली इस बड़ी हार का असर टीम के मनोबल पर साफ दिखाई दिया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद आने पर दिया जवाब

जब फिलिप्स से पूछा गया कि इतनी बड़ी हार के बाद टीम नेतृत्व की बजाय उन्हें मीडिया के सामने क्यों भेजा गया, तो उन्होंने कहा, 'हम सभी टीम का हिस्सा हैं और मीडिया की जिम्मेदारी भी सभी की बराबर होती है। जो खिलाड़ी क्वालिफायर-2 खेलेंगे, उनके लिए जरूरी है कि वे जल्दी से खुद को संभालें और अगले मैच पर ध्यान दें।'

सवाल पर भड़के ग्लेन फिलिप्स

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब फिलिप्स से पूछा गया कि क्या 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय टीम ने किसी पल हार मानने जैसा महसूस किया था, तो वह नाराज हो गए। उन्होंने कहा, 'यह बहुत बेवकूफी भरा सवाल है। कोई भी खिलाड़ी मैदान पर हार मानने नहीं उतरता। हम पेशेवर क्रिकेटर हैं। हम मैदान पर अपना सबकुछ देने गए थे। 250 रन का पीछा करते समय हर चीज सही होना जरूरी होता है और दुर्भाग्य से हमारे साथ ऐसा नहीं हुआ।' फिलिप्स ने आगे कहा, '250 रन के लक्ष्य का पीछा करते समय स्कोरबोर्ड का दबाव बहुत ज्यादा होता है। बहुत कम टीमें ऐसा कर पाती हैं। पंजाब किंग्स ने इसे आसान जैसा दिखाया, लेकिन यह उतना आसान नहीं है।'

खेजरोलिया को खिलाने पर भी उठे सवाल

गुजरात ने इस अहम मुकाबले में कुलवंत खेजरोलिया को मौका दिया, जो इस सीजन का उनका सिर्फ दूसरा मैच था। फिलिप्स इस फैसले को लेकर स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह फैसला कोचिंग स्टाफ ने ट्रेनिंग में उनके प्रदर्शन को देखकर लिया होगा। वह शानदार गेंदबाज हैं और पहले ओवर में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी भी की। हालांकि दूसरे ओवर में चीजें उनके मुताबिक नहीं रहीं।' खेजरोलिया ने प्लेइंग इलेवन में अर्शद खान की जगह ली थी।

दुनिया के बेहतरीन फील्डरों में गिने जाने वाले फिलिप्स ने टीम की फील्डिंग पर भी निराशा जताई।

उन्होंने कहा कि प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में फील्डिंग बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा, 'अगर आप अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करें, लेकिन फील्डिंग खराब हो, तो मैच नहीं जीत सकते। आज रजत पाटीदार ने हमें इसकी बड़ी कीमत चुकाई।' आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बनाए। मैच के दौरान उनके दो कैच भी छोड़े गए, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

भारत करेगा एशियन इंडोर चैंपियनशिप 2027 और एशियन रिले 2028 की मेजबानी, WA के उपाध्यक्ष ने की पुष्टि

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने बुधवार को बताया कि भारत ने 'एशियन इंडोर चैंपियनशिप 2027' और 'एशियन रिले 2028' की मेजबानी के अधिकार हासिल कर लिए हैं।

भारत ने 'एशियन इंडोर चैंपियनशिप 2027' और 'एशियन रिले 2028' की मेजबानी के अधिकार हासिल कर लिए हैं। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पुष्टि की है कि 'एशियन इंडोर चैंपियनशिप 2027' का आयोजन भुवनेश्वर में होगा, जबकि चंडीगढ़ 'एशियन रिले 2028' की मेजबानी करेगा।

आदिल सुमरिवाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ₹भारतीय एथलेटिक्स महासंघ को बधाई। चंडीगढ़ को एशियन रिले और भुवनेश्वर को एशियन इंडोर चैंपियनशिप 2028 की मेजबानी सौंपी गई है। एशियन एथलेटिक्स परिषद ने आज (बुधवार) हांगकांग में ये निर्णय लिए। यह भारत के लिए बहुत ही गर्व का क्षण है।

गौरतलब है कि इस साल मार्च में, वर्ल्ड एथलेटिक्स परिषद ने भारत को इंडोर चैंपियनशिप 2028 की मेजबानी के अधिकार दिए थे।ओडिशा को एक और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम की मेजबानी मिलने पर, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि यह ओडिशा को एक प्रमुख वैश्विक खेल केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और माइलस्टोन है।

मुख्यमंत्री माझी ने 'एक्स' पर कहा, 'ओडिशा के विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचे और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने की असाधारण क्षमता ने आज हमें वैश्विक खेल जगत में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। हांगकांग में आयोजित एशियन एथलेटिक्स परिषद की बैठक में, ओडिशा को '2027 एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप' की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने आगे कहा, 'कलिंगा स्टेडियम में आयोजित होने वाली 'वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2028' से पहले, इस एशियन टूर्नामेंट की मेजबानी हमारी खेल उपलब्धियों में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ती है। खेल के क्षेत्र में यह शानदार सफलता हमारी पहचान और स्वाभिमान को और मजबूत करने के साथ हमारी युवा खेल प्रतिभाओं को एक नई वैश्विक पहचान दिलाएगी।'

धूल और प्रदूषण पर सख्ती : गाजियाबाद की सड़कों को धूल मुक्त बनाने के लिए चलेगा संयुक्त महाभियान

नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जीडीए, आवास विकास और यूपीसीडा मिलकर करेंगे कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में बढ़ते धूल प्रदूषण और खराब होती वायु गुणवत्ता को लेकर अब बड़े स्तर पर संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। शहर की सड़कों को धूल मुक्त और गड्ढा मुक्त बनाने के लिए नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, आवास विकास परिषद, यूपीसीडा और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को एक साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित सीएक्यूएम बैठक में शहर की सड़कों पर जमा धूल, निर्माण सामग्री, गड्ढों और प्रदूषण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जिन सड़कों का रखरखाव अलग-अलग विभागों के पास है, वहां अब संयुक्त रूप से कार्रवाई की जाएगी ताकि प्रदूषण कम किया जा सके।

सड़क की धूल और गड्ढे बने बड़ी चुनौती

बैठक में सामने आया कि शहर की कई प्रमुख सड़कें धूल और टूट-फूट के कारण प्रदूषण बढ़ाने का कारण बन रही हैं।

इसी को देखते हुए सभी विभागों को स्थलीय निरीक्षण कर तत्काल सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। सड़कों की सफाई, रोड स्वीपिंग, पानी का छिड़काव और गड्ढा मुक्त अभियान को और तेज करने पर सहमति बनी।

मशीनों से होगी सफाई, लगातार होगा पानी का छिड़काव

नगर निगम की ओर से बताया गया कि शहर में रोड स्वीपिंग मशीन, एमआरएस मशीन और वॉटर स्प्रिंकलर के जरिए लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। प्रमुख सड़कों पर धूल कम करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य विभागों से भी कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की सड़कों पर इसी तरह विशेष अभियान चलाएं ताकि वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

हर विभाग देगा काम का डेटा

बैठक में सभी विभागों को निर्देश दिए गए कि वे सड़क निर्माण, रोड पेविंग, हरियाली बढ़ाने, पानी के छिड़काव और धूल नियंत्रण से जुड़े कार्यों का पूरा डेटा उपलब्ध कराएं। साथ ही वायु प्रदूषण कम करने के लिए संयुक्त एक्शन प्लान पर तेजी से काम करने की बात कही गई।

आईएमएस गाज़ियाबाद ने डासना देहात में ग्रामीणों को दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार के 'जीरो पॉवर्टी अभियान' के अंतर्गत, आईएमएस गाज़ियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेस कैंपस) द्वारा डासना देहात के ग्राम पंचायत भवन में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को स्वयं सहायता समूह के गठन और स्वरोजगार के प्रति जागरूक करना था।

संस्थान के प्रबंधन ट्रस्टी सीए डॉ. राकेश छारिया एवं निदेशिका प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक की प्रबंधक सुश्री पारस सिंह ने ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं, वित्तीय बचत और ऋण योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

निदेशिका प्रो. कौर ने शिक्षा को सामाजिक उत्थान से जोड़ने पर बल दिया, वहीं एनएसएस अधिकारी डॉ. ऋषि कुमार सिंह ने इसे महिला सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बताया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों ने स्वयं सहायता समूह बनाने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का संकल्प लिया।

शिवसेना (यूबीटी) ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, सरकारी जमीन पर नमाज रोकने की मांग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शाहीदनगर स्थित खसरा नंबर 1276/1277 (ग्राम पसौंडा) की सरकारी भूमि के ऐतिहासिक स्वरूप को बहाल रखने की मांग को लेकर शिवसेना (यूबीटी) ने मुख्य नगर अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने साक्ष्यों के साथ अवगत कराया कि आजादी के पूर्व से इस जमीन पर हिंदू समाज के तीज-त्योहार व होलिका दहन होता रहा था। वर्ष 1997 में इसे वक्फ बोर्ड को आवंटित किए जाने के खिलाफ शिवसेना ने कोर्ट में वाद दायर किया था, जिसके बाद प्रशासन ने आवंटन निरस्त कर जमीन कब्जे में ले ली थी। तब प्रशासन ने घोषणा की थी कि इस भूमि पर न होलिका दहन होगा, न ईद का आयोजन, बल्कि यहां स्कूल और पुलिस चौकी बनेगी। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पिछले कुछ वर्षों से यहां पुनः नमाज और धार्मिक आयोजन के प्रयास किए जा रहे हैं। शिवसेना ने मांग की है कि सार्वजनिक स्थल पर नमाज व जीव हत्या तुरंत बंद कराई जाए और जमीन को उसके मूल स्वरूप के अनुसार हिंदू समाज के त्योहारों के लिए आवंटित किया जाए।

मदरसा संचालक की गिरफ्तारी के विरोध में एआईएमआईएम ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

निष्पक्ष जांच की मांग

गाजियाबाद, करंट क्राइम । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के गाजियाबाद जिला व महानगर इकाई ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने 24 मई को मदरसा 'जामिया खुलफा ए राशिदिनी' के संचालक कारी मो. शमीम और जुबैर की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए मामले में निष्पक्ष जांच और उनकी जमानत की मांग की है।

एआईएमआईएम के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पंडित मनमोहन झा गामा ने बताया कि गत 24 मई को मदरसे के दो छात्रों के पास भैंस का मीट था, जिसे गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल द्वारा कथित तौर पर गाय का मीट बताकर पुलिस से कार्रवाई कराई गई। इसके बाद पुलिस ने मदरसा संचालक और जुबैर को जेल भेज दिया, जिन्हें अब तक जमानत नहीं मिल सकी है। पार्टी का कहना है कि जमानत पाना उनका संवैधानिक अधिकार है। पुलिस कमिश्नर ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इस दौरान ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष डॉ. महताब अली, पंडित मनमोहन झा गामा, महानगर उपाध्यक्ष एडवोकेट गुलफाम, महानगर सचिव शाहिद सैफी, कपिल प्रजापति, भूषण सिंह, नासिर अल्वी, खुर्शीद, वार्ड 95 अध्यक्ष रजिया और शहर विधानसभा अध्यक्ष शाकिर अब्बासी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

ओमिक्रॉन-2 में राहगीरों के लिए शीतल जल सेवा शुरू

नोएडा । भीषण गर्मी के बीच राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से क्षत्रिय महासभा वेलफेयर फाउंडेशन रजिस्टर्ड गौतमबुद्ध नगर ने सेक्टर ओमिक्रॉन-2 में शीतल जल सेवा की व्यवस्था की है। संगठन के अध्यक्ष विजेंद्र रावल ने कहा कि गर्मी के मौसम में राह चलते लोगों को ठंडा पानी उपलब्ध कराना सबसे बड़ा मानव सेवा कार्य है। इस अवसर पर महासचिव मनीष कुशवाहा, कुशल पाल राघव, शैलेंद्र जादौन, संजय राणा, तरुण चौहान, राकेश राजपूत व संजय शर्मा मौजूद रहे।

आधुनिक भारत के निमार्ता थे पंडित जवाहरलाल नेहरू: सतीश शर्मा

गाजियाबाद,करंट क्राइम। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सेंट्रल मार्केट स्थित कार्यालय में बुधवार को भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि जब देश आजाद हुआ था उस समय देश के प्रधानमंत्री की बहुत अहम जिम्मेदारियां थी। एक तरफ भारत वर्ष को दुनिया के नक्शे में स्थापित करना था, तो दूसरी और अंग्रेजों द्वारा कुरीतियांओं को खत्म करने की जिम्मेदारी थी। कुरीतियां समाज को जात-पात में बांटने का काम कर रही थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू की दूर दृष्टि के कारण ही यह संभव हो पाया।

उन्होंने कहा कि उस समय पूरे भारतवर्ष का बजट लगभग 180 करोड रुपए था तो भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जिनकी अपनी निजी संपत्ति भी 180 करोड रुपए के लगभग थी, वह देश को दान कर दिया था। ऐसे प्रधानमंत्री को सदियों तक कोई नहीं भूल सकता।

आज के समय में देश की आम जनता के साथ उत्पीड़न किया जा रहा है। महंगाई की मार से उसे और प्रताड़ित किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा कहा कि देश जब आजाद हुआ था तो बहुत बुरे दौर से गुजर रहा था। जहां किसानों के पास हजार बीघा जमीन होने के बावजूद ना तो पहनने को कपड़े थे, और ना संसाधन थे। कपड़े अगर फट जाते थे तो पैच लगाकर काम चलाना पड़ता था। ना खाने को पर्याप्त सुविधा थी सिलेंडर ना बिजली ना स्कूल कॉलेज ना- ही बड़े-बड़े हॉस्पिटल, ना ही सडकें थी।

उन्होंने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सोच आधुनिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित थी। उनका मानना था कि भारत के गौरवशाली अतीत को वर्तमान के यथार्थ से जोड़कर ही एक प्रगतिशील भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। उनकी सोच को इन तीन कालों में इस प्रकार समझा जा सकता है । उनका मानना था कि हमारे वर्तमान और भविष्य की जड़ें इतिहास में ही छिपी हैं। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, लक्ष्मण, जाकिर, पन्नालाल शर्मा, राजू शर्मा, राशिद, उदय सिंह पाल, आशुतोष गुप्ता, दिनेश, सत्य प्रकाश त्यागी, पंकज तेजानिया, सुरेंद्र शर्मा, मोहम्मद इरफान, महफूज खान, विनोद धाम, लज्जा यादव, सविता जैसवाल, सुशील कुमार शर्मा, राजकुमार शर्मा, जितेंद्र कुमार शर्मा, रिंकू माथुर, आबिद अली, सुरेंद्र दोसा, छतरी जाटव, राजवीर सिंह, प्रधान सुनील सिंह, राजीव शर्मा, जयवीर, रिजवान मलिक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बकरीद की पूर्व संध्या पर कमिश्नरेट में हाई अलर्ट, जगह-जगह फ्लैग मार्च और सघन चेकिंग अभियान

संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ अधिकारियों ने किया पैदल गश्त, सोशल मीडिया पर भी रखी जा रही कड़ी निगरानी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बकरीद पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बकरीद की पूर्व संध्या पर कमिश्नरेट के विभिन्न संवेदनशील थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च, पैदल गश्त एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की गई।

घंटाघर कोतवाली क्षेत्र में एसीपी उपासना पांडे एवं थाना प्रभारी सचिन कुमार ने पुलिस बल के साथ केला भट्टा सहित कई संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। फ्लैग मार्च के दौरान बाजारों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और व्यापारियों से संवाद कर त्योहार को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।

इसी क्रम में वेव सिटी क्षेत्र में एसीपी प्रियाश्री पाल, कविनगर एवं आसपास के क्षेत्रों में एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव, साहिबाबाद क्षेत्र में एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह तथा शालीमार गार्डन क्षेत्र में एसीपी अतुल कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने फ्लैग मार्च निकालकर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। कई स्थानों पर ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की गई। पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ ने बताया कि बकरीद पर्व को लेकर कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी एवं क्विक रिस्पॉन्स टीमों की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और प्रमुख मार्गों पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

होटल, ढाबों, बस अड्डों एवं रेलवे स्टेशन क्षेत्रों में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और साइबर सेल की मदद से हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कमिश्नरेट पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटेल नगर छबील दास मार्ग पर अवैध अतिक्रमण को लेकर आरडब्ल्यूए ने नगर निगम को लिखा पत्र

गाजियाबाद,करंट क्राइम। वार्ड नंबर 9 पटेल नगर के छबील दास के मुख्य सड़क पर अतिक्रमण से स्थानीय लोग बेहद परेशान है। उन्होंने नगर आयुक्त को पत्र लेकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने इस मुख्य मार्ग पर हर सोमवार को 'सोमवार बाजार' लगाया जाता है। पिछले कुछ समय से इस बाजार में दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिसके कारण स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। यह विक्रेता नगर निगम पंजीकृत होने का दावा करते हैं

मुख्य सड़क पूरी तरह ब्लॉक होने के कारण आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का निकलना असंभव हो जाता है। यह पूरे क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग होने के कारण यहाँ दिनभर वाहनों का भारी दबाव रहता है, लेकिन सोमवार को मेरठ रोड पर लगातर जाम एवं स्थानीय निवासी को वैकल्पिक मार्ग लेना पड़ता है। पंकज शर्मा का कहना है कि भीड़ और अव्यवस्था का फायदा उठाकर क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी बढ़ने लगा है। रिहाइशी क्षेत्र में बिना किसी जांच के बाहरी व्यक्ति बाजार लगा रहे हैं किसी भी विवाद की स्थिति में इनकी निज जानकारी तक गाजियाबाद पुलिस या निगम को उपलब्ध नहीं हो पाएगी।

यदि यह बाजार नगर निगम में पंजीकृत है, तो कृपया यहाँ स्वीकृत दुकानों/रेहड़ियों की कुल निश्चित संख्या बताई जाए।यदि यह बाजार पंजीकृत नहीं है, तो इस अवैध अतिक्रमण को हटाने या इसको व्यवस्थित सड़क को सुचारू रूप से संचालित कराने के लिए निगम क्या कदम उठा रहा है?

एनईईटी परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त बस यात्रा की मांग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आम आदमी पार्टी की छात्र विंग (एएसपीएस) ने प्रदेश सचिव राकेश यादव के नेतृत्व में जिला अधिकारी कार्यालय में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदेश प्रवक्ता तरुणिमा श्रीवास्तव और पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष स्वतंत्र यादव ने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं से पीड़ित एनईईटी परीक्षार्थियों के मानसिक व आर्थिक बोझ को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में यात्रा निःशुल्क की जाए। विशेषकर ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए यह बड़ी राहत होगी।

इस दौरान एडवोकेट शरदेंदु शर्मा, अभिषेक भाटिया सहित गाजियाबाद की टीम मौजूद रही।

खाद्य विभाग की छापेमारी, आइसक्रीम फैक्ट्रियों से लिए नमूने

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच लोगों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देश पर विभाग की टीमें लगातार आइसक्रीम एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित कर रही हैं। विभाग की कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है।

डॉ. केएन. मोदी ग्लोबल स्कूल में 'गिन्नी देवी मेमोरियल एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी 2025-26' का आयोजन

मोदीनगर। डॉ. केएन. मोदी ग्लोबल स्कूल में 'गिन्नी देवी मेमोरियल एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी 2025-26' का आयोजन किया गया। यह समारोह केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करने का अवसर नहीं , बल्कि स्वर्गीय श्रीमती गिन्नी देवी (माँ जी) के आदर्शों, मूल्यों एवं प्रेरणादायी विरासत को स्मरण करने का भावपूर्ण मंच भी बना। समारोह का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में हुआ, जहाँ शिक्षा, संस्कार एवं उत्कृष्टता के मूल्यों को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के शैक्षणिक टॉपर्स (95% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा 100 अंक) दर्ज करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रधानचार्य कु.पूजा शर्मा ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं जीवन मूल्यों के निर्माण पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल स्वर्गीय श्रीमती गिन्नी देवी की सादगी, विनम्रता, करुणा एवं मानवीय संवेदनाओं से प्रेरणा लेते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट नागरिक बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय श्रीमती गिन्नी देवी जी (माँ जी) के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने बताया कि वे केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि प्रेम, अपनत्व, गरिमा एवं संवेदनशीलता की ऐसी मिसाल थीं, जिनकी प्रेरणा आज भी हर पीढ़ी को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। मुख्य रूप से प्रो. डॉ. डीके. मोदी, डॉ. दीपांकर शर्मा,, डॉ रीता बख्शी सहित अनेक गणमान्य।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

DrAjay Sharma
2h ·

आज उत्तर प्रदेश भाजपा के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री माननीय पंकज चौधरी जी से शानदार मुलाक़ात हुई, अध्यक्ष जी का कार्यकर्ताओं के प्रति स्नेह हमेशा बना रहता है ।

#PankajChaudhary

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अजय शर्मा इन दिनों सुपर एक्टिव मोड में चल रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर देश की सबसे बड़ी विधानसभा में डेरा डाल दिया है और संदेश दिया है कि कल भी दावेदारी थी आज भी दावेदारी है और दावेदारी जारी रहेगी। इस बीच अजय शर्मा ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ एक शानदार मुलाकात का दावा किया। प्रदेश अध्यक्ष के साथ मुलाकात की फोटो को फेसबुक पर साझा किया। सियासत का यह दौर और दावेदारी की बेला में यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

पीछे हटेगी अमेरिकी सेना, होर्मुज के खुलेंगे रास्ते

तेहरान। ईरान ने कहा है कि अमेरिका के साथ शांति समझौते का एक शुरूआती मसौदा तैयार हुआ है, जिससे होर्मुज जलमार्ग में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही फिर शुरू हो सकती है और समुद्री नाकाबंदी खत्म हो सकती है।

ईरान ने कहा कि अमेरिका के साथ शांति समझौते का एक मसौदा तैयार हुआ है, जिससे होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू हो सकती है और समुद्री नाकाबंदी खत्म हो सकती है। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी।

मसौदे में क्या है?

इस प्रारूप के तहत ईरान एक महीने के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये होने वाली व्यापारिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध के पहले के स्तर पर वापस लाएगा। वहीं, अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य ताकत को हटाएगा और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करेगा।

ईरान-यूएस शांति समझौते के मसौदे पर सहमति!

'बहु-स्तरीय शांति प्रक्रिया होगी'

इस प्रस्ताव के बारे में और विस्तार से बताया है, जो एक बहु-स्तरीय शांति प्रक्रिया शुरू करने की योजना है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम के दौरान भी पहले कई बार तनावपूर्ण घटनाएं हो चुकी हैं।

मई की शुरूआत में भी अमेरिकी सेना ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। उस समय अमेरिका ने आरोप लगाया था कि ईरान ने उसके युद्धपोतों पर मिसाइल, ड्रोन और छोटी नौकाओं से हमला करने की कोशिश की थी।होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है। यहां किसी भी सैन्य गतिविधि का असर वैश्विक तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। यही वजह है कि अमेरिका इस क्षेत्र में लगातार सैन्य निगरानी बनाए हुए है।

'सैन्य ताकत हटाएगा अमेरिका'

इसने कहा, अमेरिका ने कथित तौर पर वादा किया है कि वह ईरान के आसपास से अपनी सैन्य ताकत को हटाएगा। लेकिन इसमें यह शामिल होगा या नहीं कि वह क्षेत्र में भेजी गई सेनाएं हटाएगा या वहां के सैन्य ठिकानों पर मौजूद सैनिक भी हटाएगा, इस पर आगे बातचीत होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया, अगर 60 दिनों के अंदर अंतिम समझौता हो जाता है, तो इस समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक बाध्यकारी (कानूनी रूप से मानने योग्य) प्रस्ताव के रूप में मंजूरी दी जाएगी।

यूरेनियम पर ट्रंप का बयान

इससे पहले, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम को लेकर भी बड़ा बयान दिया। ट्रंप ने कहा कि ईरान का संवर्धित यूरेनियम या तो अमेरिका को सौंपा जाए ताकि उसे नष्ट किया जा सके या फिर ईरान के साथ मिलकर उसी जगह पर खत्म किया जाए। ट्रंप ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बातचीत 'अच्छे तरीके से' चल रही है। वहीं, ईरान ने भी माना है कि कई मुद्दों पर सहमति बनी है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों के बार-बार बदलते रुख से बातचीत जटिल हो रही है।

कनाडा में तिरंगे का अपमानः खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

जालंधर। आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़े कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल ने वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को घेर लिया और तिरंगे का अपमान किया।

कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी।

कार्यक्रम में जा रहे थे उच्चायुक्त

घटना उस समय हुई जब भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

पन्नू का करीबी है गोसल

यह वही इंदरजीत सिंह गोसल है जिसे खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उसका नाम लगातार सामने आता रहा है। हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम जुड़ चुका है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है। मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। भारतीय समुदाय में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कनाडा निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है।

'निहित स्वार्थों के कारण सुरक्षा परिषद में नहीं हो रहे सुधार', वैश्विक मंच पर भारत की दो-टूक

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग की। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि 1945 की पुरानी व्यवस्था आज की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं है। भारत ने परिषद की स्थायी सदस्यता बढ़ाने की जरूरत बताई।

भारत ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1945 की व्यवस्था में काम कर रही है।भारत ने आगे कहा कि 'निहित स्वार्थ' उन सुधारों को रोक रहे हैं, जिनकी आवश्यकता इसे समकालीन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार को कहा, 'परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईएन) में प्रगति की कमी कई सदस्य देशों के यथास्थिति बनाए रखने और आठ दशक पुरानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संरचना को बरकरार रखने के निहित स्वार्थों का संकेत है।' सुधारों में मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र के कुछ सदस्य देशों का एक छोटा समूह बाधा डाल रहा है, जो स्वयं को यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) कहते हैं। इस समूह का नेतृत्व इटली कर रहा है। इसमें पाकिस्तान भी शामिल है। यह समूह बातचीत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए प्रक्रियात्मक दांव-पेच का इस्तेमाल करता है।

महासचिव गुटेरेस ने क्या कहा?

उन्होंने आगे कहा, 'बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार न ढलने से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अधिकार, विश्वसनीयता, वैधता और प्रभावशीलता और भी कम हो जाएगी।' महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी परिषद के विश्वसनीयता संकट की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, 'एक सुरक्षा परिषद जो आज की दुनिया की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से नहीं निभा सकती है।'

स्थायी श्रेणी में विस्तार करना चाहिए

हरीश परिषद में 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखना और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करना' विषय पर हो रही बहस में बोल रहे थे। भारत के सुधार प्रस्तावों का मुख्य बिंदु परिषद की स्थायी सदस्यता का विस्तार करना है।

शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

नई दिल्ली। शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा पर बांग्लादेश के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए देश में बढ़ती हिंसा, आर्थिक संकट और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई। अवामी लीग ने नेताओं, महिलाओं और बच्चों पर हमलों तथा राजनीतिक दमन का आरोप लगाया।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं।

उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है।

अवामी लीग की चिंताएं

पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा

इस महीने की शुरूआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों और घरों दोनों में सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

बांग्लादेश ने IMF से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की है। आईएमएफ ने कहा कि वह बांग्लादेश के साथ मिलकर आर्थिक सुधारों और नीतियों पर चर्चा कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी इवो क्रजनार ने कहा कि संस्था बांग्लादेश को मजबूत आर्थिक स्थिरता, विकास और वित्तीय सुधारों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि पुराना आईएमएफ कार्यक्रम उस समय तैयार किया गया था, जब देश की आर्थिक स्थिति अलग थी। अब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू हालात बदलने से कई सुधारों को लागू करना कठिन हो गया है।

सरकार ने साफ किया है कि वह सुधारों से पीछे नहीं हट रही, बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना चाहती है। फरवरी में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद यह बड़ा आर्थिक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती महंगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईएमएफ का नया कार्यक्रम बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

बीपी ने चेयरमैन को हटाया कंपनी में फिर बढ़ा विवाद

लंदन। ब्रिटेन की बड़ी तेल कंपनी बीपी ने अपने चेयरमैन अल्बर्ट मैनिफोल्ड को अचानक पद से हटा दिया है। कंपनी ने कहा कि उनके कामकाज, निगरानी और व्यवहार से जुड़े गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीपी बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से इयान टायलर को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। अल्बर्ट मैनिफोल्ड को पिछले साल अक्तूबर में चेयरमैन बनाया गया था। इससे पहले वह निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी CRH के प्रमुख रह चुके हैं। बीपी ने उन्हें कंपनी में बड़े बदलाव लाने के लिए चुना था। हालांकि हाल के महीनों में कंपनी की नीतियों को लेकर शेयरधारकों और पर्यावरण समूहों की नाराजगी बढ़ गई थी। बीपी पहले हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन बाद में उसने फिर तेल और गैस कारोबार पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव की काफी आलोचना हुई। कंपनी की कमाई भी प्रभावित हुई है। 2025 में बीपी की आय में 16 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा 86 प्रतिशत तक घट गया। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार नेतृत्व बदलाव और कमजोर वित्तीय प्रदर्शन से बीपी पर दबाव बढ़ता जा रहा है। कंपनी अब नए स्थायी चेयरमैन की तलाश कर रही है।

इस्राइली हमले में हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद ओदेह की मौत

तेल अवीव। इस्राइल ने 7 अक्तूबर के हमले के एक और साजिशकर्ता को ढेर करने का दावा किया है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा कि बीती रात हुए हमलों में हमास का सैन्य कमांडर मोहम्मद ओदेह ढेर हो गया है। गौरतलब है कि वह बीते सप्ताह ही हमास का शीर्ष सैन्य कमांडर नियुक्त किया गया था।

इस्राइल ने दावा किया है कि गाजा सिटी में रातभर चले उनके हमलों में हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद ओदेह की मौत हो गई है। इस्राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने इसे हमास के सैन्य ढांचे पर बड़ा प्रहार बताया है। इस्राइली अधिकारियों के मुताबिक, ओदेह को इस्राइली डिफेंस फोर्स और खुफिया एजेंसी शिन बेत के संयुक्त अभियान में मार गिराया गया। इस्राइली सेना और खुफिया एजेंसियां बीते कई महीनों से उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहीं थीं।

काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमास की सैन्य विंग के चौथे कमांडर को खत्म कर दिया गया है और उसे उसके साथियों के पास जहन्नुम भेज दिया गया है।' इस्राइल का कहना है कि इसी महीने इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद के मारे जाने के बाद ओदेह ने हाल ही में हमास के सैन्य विंग की कमान संभाली थी। गाजा से सामने आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हमले में ओदेह के साथ उनकी पत्नी और बेटे भी मारे गए। इस्राइली रक्षा मंत्री काट्ज ने अभियान की सराहना करते हुए इस्राइली सेना और खुफिया एजेंसियों की कार्रवाई को बेहतरीन बताते हुए तारीफ की। उन्होंने कहा, '7 अक्तूबर के नरसंहार का नेतृत्व करने वाले हर व्यक्ति को खत्म करने का हमने संकल्प लिया है और हम ऐसा करके रहेंगे। वे जहां भी होंगे, मौत उनका इंतजार कर रही है।'

पिछले हफ्ते ही संभाली थी कमान

काट्ज ने गाजा में हमास के शासन को खत्म करने की योजना को आगे बढ़ाने की बात भी दोहराई। आईडीएफ और शिन बेत के संयुक्त बयान में कहा गया कि गाजा सिटी में कई इमारतों को निशाना बनाया गया, जहां ओदेह और उसके सहयोगियों के छिपे होने की जानकारी थी। इस्राइली सेना के अनुसार, हमले में एक अन्य हमास सदस्य के अपार्टमेंट को भी निशाना बनाया गया, जिस पर 7 अक्तूबर के हमलों में शामिल होने का आरोप है।

हमास की खुफिया इकाई का प्रमुख रह चुका था ओदेह

आईडीएफ ने बताया कि ओदेह पहले हमास की खुफिया इकाई का प्रमुख रह चुका था और पिछले सप्ताह ही उसे संगठन का सैन्य प्रमुख बनाया गया था। इस्राइली सुरक्षा एजेंसियों का आरोप है कि ओदेह ने 7 अक्टूबर को इस्राइल पर हुए हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी।

साथ ही, उसने युद्ध के दौरान इस्राइली सैनिकों के खिलाफ हमलों और खुफिया अभियानों का भी नेतृत्व किया। एजेंसियों ने ओदेह को 7 अक्तूबर के हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक बताया और कहा कि उसकी मौत संगठन की सैन्य क्षमताओं को दोबारा खड़ा करने की कोशिशों के लिए बड़ा झटका है।

हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं' रूबियो के इस बयान पर विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणियों पर सवाल के जवाब में कहा कि हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं। उनका यह बयान वायरल होने के बाद विवाद बढ़ गया। बाद में अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया से उस वीडियो का हिस्सा हटा दिया।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणियों पर दिया गया बयान अब नए विवाद में घिर गया है। नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए गए उनके 'हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं' वाले बयान का वीडियो अमेरिकी विदेश विभाग ने पहले सोशल मीडिया पर साझा किया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उसे हटा दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कवरअप और बयान को दबाने के आरोप लगने लगे। दरअसल, भारत दौरे पर आए मार्को रूबियो से एक पत्रकार के अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा, ₹मैं इन टिप्पणियों को बहुत गंभीरता से लूंगा। मुझे यकीन है कि ऑनलाइन और अन्य जगहों पर ऐसे लोग हैं जिन्होंने ऐसी टिप्पणियां की हैं। दुनिया के हर देश में मूर्ख लोग होते हैं। मुझे यकीन है कि यहां भी मूर्ख लोग हैं; अमेरिका में भी मूर्ख लोग हैं जो हर समय बेवकूफी भरी टिप्पणियां करते हैं। दुनिया भर से हमारे देश में आने वाले लोगों से हमारा देश समृद्ध हुआ है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बयान का वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट किया था। लेकिन जैसे ही वीडियो वायरल होने लगा और इस पर बहस तेज हुई, विभाग ने उस हिस्से को हटा दिया जिसमें नस्लभेद से जुड़ा सवाल और रूबियो का जवाब शामिल था।

जारी करना पड़ेगा नया पासपोर्ट, पाकिस्तान के अब्राहम समझौते को नहीं मानने की ये भी है बड़ी वजह

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान समेत कई अरब देशों को अब्राहम समझौते को स्वीकार करने का कहकर एक नई बहस छेड़ दी है। अगर ऐसा होता है तो पाकिस्तान के लिए खासी परेशानी खड़ी हो सकती है। हालांकि फिलहाल पाकिस्तान ने अब्राहम समझौते को मानने से इनकार कर दिया है, लेकिन पाकिस्तान अमेरिका को नाराज करने का जोखिम भी नहीं ले सकता।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान पर अब्राहम समझौते में शामिल होने का दबाव बनाया है। हालांकि पाकिस्तान ने इससे साफ इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने कहा है कि इस्राइल को लेकर उनकी दीर्घकालिक नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। साथ ही पाकिस्तान ने कहा है कि वह ऐसी मांगों को मानने के लिए बाध्य नहीं है। दरअसल पाकिस्तान अगर अब्राहम समझौते को मानता है तो उसे न सिर्फ घरेलू स्तर पर लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा बल्कि अपने पासपोर्ट में भी बदलाव करना पड़ेगा। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है?

पाकिस्तान को क्यों बदलना पड़ेगा अपना पासपोर्ट?

अगर पाकिस्तान अब्राहम समझौते में शामिल होने का फैसला करता है तो उसे तुरंत अपना पासपोर्ट बदलना पडेगा। पाकिस्तान को पासपोर्ट पर अभी इस्राइल की यात्रा करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। पाकिस्तानी पासपोर्ट में साफ लिखा है 'यह पासपोर्ट इस्राइल को छोड़कर दुनिया के सभी देशों में यात्रा के लिए मान्य है।' अगर पाकिस्तान अमेरिका दबाव में अब्राहम समझौते को स्वीकार करता है तो उसे अपने पासपोर्ट में बदलाव करने की जरूरत होगी और इस्राइल की यात्रा पर लगे प्रतिबंध वाले खंड को हटाना होगा। पासपोर्ट में यह बदलाव सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है बल्कि इसमें वीजा, आव्रजन नियम, कांसुलर पहुंच जैसी चीजों में भी बदलाव करना पड़ेगा। यह पाकिस्तान की विदेश नीति में बड़ा बदलाव होगा।

यह 2020 में अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू किया गया एक समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य इस्राइल और अरब देशों के बीच कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को सामान्य करना है। पहले अरब देशों की यह शर्त हुआ करती थी कि जब तक फलस्तीन के मुद्दे का समाधान नहीं होता, वे इस्राइल को मान्यता नहीं देंगे। लेकिन इस समझौते ने पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग को सबसे ऊपर रखा।

'मरने जैसा महसूस हुआ': फ्रांस में पूर्व प्रेमी ने महिला को 487 से अधिक पुरुषों को बेचा, मिली 25 साल जेल की सजा

पेरिस। आरोपी प्रेमी गुइलौम बकी ने गला घोंटने, जलाने और पशुतापूर्ण कृत्यों जैसी घटनाओं को स्वीकार किया है। हालांकि, उसने कहा कि दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति के थे। महिला ने अपने पूर्व प्रेमी पर उसे 400 से ज्यादा पुरुषों को बेचने का भी आरोप लगाया है।

फ्रांस में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। फ्रांस की एक महिला ने अपने पूर्व प्रेमी पर सात साल तक उसे प्रताड़ित करने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला ने ऑनलाइन मिले अजनबियों को बेचने का आरोप भी लगाया है। 42 वर्षीय महिला ने कहा कि गुइलौम बकी नामक पूर्व प्रेमी ने उन पर मनोवैज्ञानिक तरीके से काबू पा लिया था।

महिला ने बताया कि बकी ने 2015 से 2022 तक उसे अपने वश में करने के लिए सैडोमासोकिस्टिक नाम के अश्लील खेलों का इस्तेमाल किया। उसने कहा कि जब उसके पूर्व साथी ने सैडोमासोकिज्म के अपने विचार साझा किए, तो उसने कुछ अलग सामान्य चीजों के बारे में सोचा था। हालांकि, महिला ने कहा कि ये हरकतें यौन हिंसा की थीं। महिला ने कहा कि उसे डर था, अगर वह उसे छोड़ देती तो वह उसके अंतरंग वीडियो जारी कर देगा।

आरोपी प्रेमी ने स्वीकार किए कई गंभीर अपराध -----

आरोपी प्रेमी बकी ने गला घोंटने, जलाने और पशुतापूर्ण कृत्यों जैसी घटनाओं को स्वीकार किया है। हालांकि, उसने कहा कि ये उनके अंतरंग संबंध के संदर्भ में सहमति से किए गए कार्य थे। उसने कहा कि उसे नहीं लगता कि वह उसे नुकसान पहुंचा रहा था। इन कृत्यों के अलावा उसने महिला पर वेश्यावृत्ति के लिए दबाव डालने की बात भी स्वीकार की। उसने माना कि उसने महिला को दोस्तों, सहकर्मियों और अजनबियों को बेच दिया। महिला ने मुकदमे के दौरान कहा कि 487 पुरुषों ने मेरे साथ दुष्कर्म किया।

अदालत ने सुनवाई 25 साल कैद की सजा

चार बच्चों की मां ने बताया कि कैसे यातनाएं धीरे-धीरे शुरू हुईं। बकी ने पहले उसे दूसरे पुरुषों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। महिला ने अदालत में कहा, ₹मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अंदर से मर रही हूं।₹ दुर्व्यवहार के कारण अब वह गंभीर विकलांगता से ग्रस्त है। अभियोजकों ने आरोपी प्रेमी के लिए किसी अन्य महिला के खिलाफ अपराध करने से रोकने के लिए आजीवन कारावास की मांग की थी। हालांकि, अदालात ने बकी को 25 साल की जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने फैसला सुनाया कि वह अपनी सजा का कम से कम दो-तिहाई हिस्सा पूरा करने के बाद ही पैरोल पा सकेगा।

कनाडा में जबरन वसूली को लेकर 17 भारतवंशी गिरफ्तार

संयुक्त राष्ट्र। कनाडा पुलिस ने दक्षिण एशियाई व्यापारियों और समुदाय को निशाना बनाकर जबरन वसूली, संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में 17 भारतवंशी गिरफ्तार किए हैं। पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जबरन वसूली टास्क फोर्स ने स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डराने-धमकाने, धमकियों और हिंसा के एक समन्वित अभियान का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के संबंध फॉर ब्रदर्स नामक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से हैं। आरोपियों में इकबाल सिंह, आकाशदीप सिंह, रविंदर सिंह, जशनबीर सिंह, दिलावरप्रीत, मनदीप सिंह, प्रभदीप सोहल, परतापबीर घुमन, अजयदीप सिंह, नवरूप, राजन, अमृतजोत, जशनप्रीत, गुनीत, सुखविंदर, मोहिंदर व गौतम शामिल हैं।

संघर्ष, सरलता और वैश्विक सोच के साथ राष्ट्रीय पहचान बने रविन्द्र त्यागी

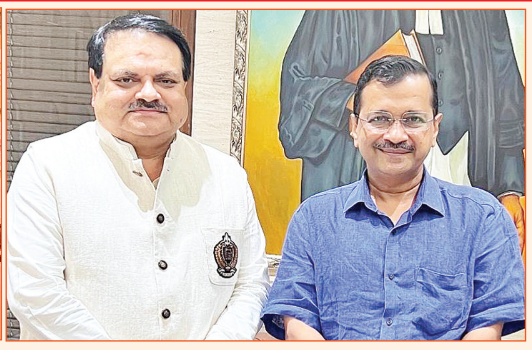

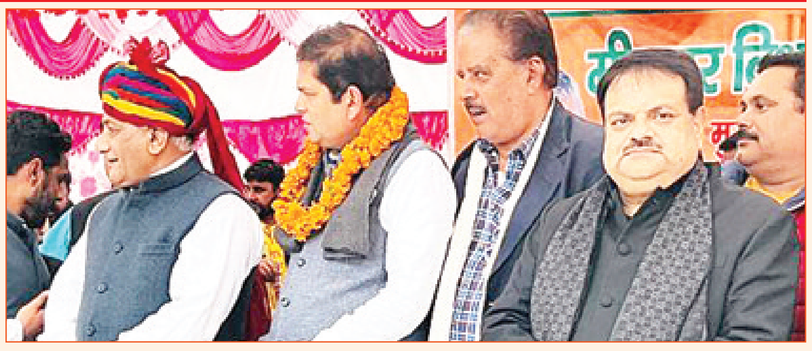

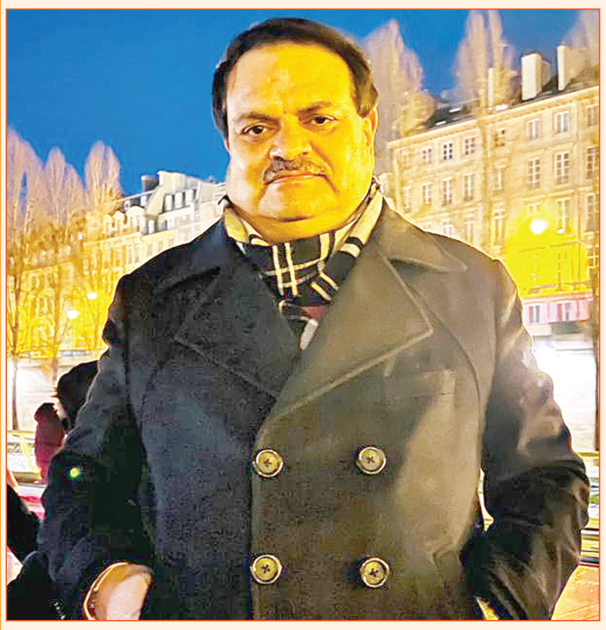

गाजियाबाद का गौरव

करंट क्राइम शख्सियत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद की धरती ने समय-समय पर ऐसे व्यक्तित्व दिए हैं जिन्होंने केवल अपने व्यवसाय से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार, सामाजिक दृष्टिकोण और नेतृत्व क्षमता से शहर का नाम राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। रविन्द्र त्यागी उन्हीं चुनिंदा नामों में शामिल हैं, जिन्होंने निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जगत में अपनी अलग पहचान बनाई और आज 'बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' जैसे देश के प्रतिष्ठित संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद तक पहुंचे हैं। उनकी पहचान केवल एक बड़े बिल्डर या ठेकेदार के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व के रूप में भी मानी जाती है जो जमीन से जुड़े रहने, रिश्तों को निभाने और समाज को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। गाजियाबाद, मोदीनगर, दिल्ली-एनसीआर से लेकर राजस्थान और जयपुर तक उनके कारोबारी और सामाजिक संपर्कों की चर्चा लंबे समय से होती रही है। उद्योग जगत से जुड़े लोग बताते हैं कि जयपुर में भी निर्माण और संगठनात्मक गतिविधियों के दौरान उन्होंने मजबूत नेटवर्क तैयार किया और उत्तर भारत के कई राज्यों में संगठन को सक्रिय रूप से मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संघर्ष से बनी पहचान

(करंट क्राइम)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पारंपरिक परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना आसान यात्रा नहीं मानी जाती। निर्माण क्षेत्र में लगातार बदलती नीतियां, आर्थिक दबाव, प्रशासनिक प्रक्रियाएं और बाजार की प्रतिस्पर्धा के बीच रविन्द्र त्यागी ने अपने धैर्य, व्यवहारिक सोच और संगठन क्षमता से अलग पहचान बनाई। सार्वजनिक रिकॉर्ड में उनका संबंध 'कृष्णा ग्रुप' तथा निर्माण और इंजीनियरिंग कार्यों से जुड़ी संस्थाओं से बताया जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने कारोबार को केवल लाभ का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों को जोड़ने का जरिया बनाया। यही कारण है कि वर्षों तक संगठन में सक्रिय रहने के बाद वे राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचे।

दार्शनिक सोच और सरल जीवनशैली

(करंट क्राइम)। सफलता के बावजूद उनकी सबसे बड़ी पहचान उनकी सरलता को माना जाता है। कारोबारी जगत में जहां अक्सर दिखावा प्रमुख हो जाता है, वहीं रविन्द्र त्यागी को सहज व्यवहार और शांत स्वभाव वाला व्यक्तित्व कहा जाता है। उनके करीबी बताते हैं कि वे आध्यात्मिक और दार्शनिक विचारों में रुचि रखते हैं तथा जीवन को केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं मानते। वे अक्सर इस सोच के साथ जोड़े जाते हैं कि व्यक्ति की असली पहचान उसके व्यवहार और समाज के प्रति योगदान से बनती है। यही कारण है कि सामाजिक कार्यक्रमों, संगठनात्मक बैठकों और व्यक्तिगत संबंधों में उनकी शैली अलग दिखाई देती है।

राजनीतिक पृष्ठभूमि, लेकिन अलग राह

(करंट क्राइम)। रविन्द्र त्यागी एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता राजेंद्र पाल सिंह त्यागी मुरादनगर के ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। परिवार की सामाजिक और राजनीतिक पहचान लंबे समय से क्षेत्र में प्रभावशाली मानी जाती रही है। हालांकि राजनीतिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद रविन्द्र त्यागी ने सक्रिय राजनीति की राह नहीं चुनी। उन्होंने निर्माण, संगठन और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने का रास्ता अपनाया। यही वजह है कि वे आज राजनीतिक मंच से अधिक उद्योग, संगठन और सामाजिक प्रभाव के लिए पहचाने जाते हैं।

विदेश यात्राएं और वैश्विक दृष्टिकोण

(करंट क्राइम)। व्यापार और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के चलते रविन्द्र त्यागी ने दुनिया के अनेक देशों का भ्रमण किया है। उद्योग जगत में उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय निर्माण व्यवस्था, आधुनिक आधारभूत ढांचा मॉडल और कारोबारी संस्कृति को करीब से समझा। उनके परिचितों के अनुसार विदेश यात्राओं ने उनकी सोच को और व्यापक बनाया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपनी जड़ों और स्थानीय संस्कृति से दूरी नहीं बनाई।

सामाजिक प्रभाव और सम्मान

(करंट क्राइम)। हालांकि सार्वजनिक रूप से किसी सक्रिय राजनीतिक पद की आधिकारिक पुष्टि नहीं मिलती, लेकिन गाजियाबाद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सामाजिक एवं कारोबारी हलकों में उनका प्रभाव माना जाता है। विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों, उद्योग संगठनों और सार्वजनिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने उन्हें एक प्रभावशाली व्यक्तित्व बनाया है। आज जब एनसीआर का निर्माण और आधारभूत ढांचा क्षेत्र तेजी से बदल रहा है, तब गाजियाबाद से जुड़े किसी व्यक्ति का राष्ट्रीय निर्माण संगठन की कमान संभालना पूरे क्षेत्र के लिए सम्मान की बात माना जा रहा है। रविन्द्र त्यागी का सफर इस बात का उदाहरण है कि संघर्ष, संगठन क्षमता, सामाजिक व्यवहार और दूरदृष्टि किसी भी व्यक्ति को स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय पहचान तक पहुंचा सकती है। उनकी कहानी केवल एक कारोबारी सफलता नहीं, बल्कि उस गाजियाबाद की कहानी भी है जो मेहनत, रिश्तों और भरोसे के दम पर राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

परिवार और नई पीढ़ी

(करंट क्राइम)। करीबी सामाजिक दायरों में यह माना जाता है कि रविन्द्र त्यागी ने पारिवारिक संस्कारों को हमेशा प्राथमिकता दी। उनके पुत्र भी धीरे-धीरे कारोबारी और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ते दिखाई देते हैं और नई पीढ़ी के रूप में पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाने की दिशा में सक्रिय माने जाते हैं। त्यागी परिवार को पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक सोच के संतुलन के रूप में देखा जाता है।

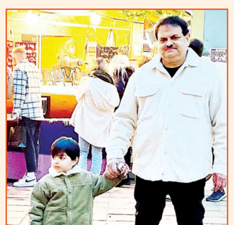

नगर आयुक्त ने ईद उल अजहा की तैयारी हेतु सभी विभागों से की वर्चुअल बैठक दिए व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

त्योहारों पर अधिक बढ़ जाती है निगम की जिम्मेदारी, ईद पर अलर्ट रहे अधिकारी -नगर आयुक्त

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा ईद उल अजहा की तैयारी को लेकर सभी विभाग के अधिकारियों व टीम से वर्चुअल बैठक की गई बैठक में सफाई व्यवस्था पर विशेष बल दिया गया, विशेष रूप से 15 बिंदुओं पर तत्काल कार्य कराए गए जिसमें मुस्लिम वार्ड में प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था, सड़क मरम्मत की व्यवस्था, अवशेष उठाने वाली गाड़ियों की व्यवस्था, मस्जिदों एवं ईदगाह पर विशेष रूप से सफाई मित्र के उपस्थित रहने के लिए भी निर्देश दिए गए। केला भट्टा, डसना गेट, नंदग्राम, पसौंडा, अर्थला व अन्य मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया मस्जिदों के बाहर और आसपास पानी का छिड़काव का कार्य कराया गया, शहीद नगर में निर्माण विभाग द्वारा सड़क मरम्मत का कार्य कराया गया मस्जिद एवं ईदगाह को जाने वाले मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य किया गया, लगातार व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वर्चुअल बैठक के माध्यम से नगर आयुक्त द्वारा सभी विभाग के अधिकारियों को त्यौहार के समय अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए त्योहारों पर गाजियाबाद नगर निगम की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है जिसको मेहनत से पूरा करने के निर्देश दिए गए, बैठक में समस्त अपर नगर आयुक्त, समस्त जोनल प्रभारी, समस्त विभागों से संबंधित अधिकारी व टीम उपस्थित रही।

खाद्य विभाग की छापेमारी, आइसक्रीम फैक्ट्रियों से लिए नमूने, दुकानदारों में हड़कंप

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच लोगों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देश पर विभाग की टीमें लगातार आइसक्रीम एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संग्रहित कर रही हैं। विभाग की कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त आइसक्रीम तथा अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम ने ग्रेटर नोएडा स्थित डेरी फन ब्रांड की निर्माण इकाई से फ्रोजन डेजर्ट का एक नमूना तथा सेक्टर-104 हाजीपुर स्थित बीएसआर फूड एंड बेवरेज से ज्ञानी ब्रांड आइसक्रीम का एक नमूना संग्रहित किया। दोनों नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री की शिकायतों के मद्देनजर भी विभाग द्वारा जनपद के विभिन्न स्टोरों पर जांच अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कहीं भी हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं पाई गई।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं प्रशिक्षण वाली बैठक में था विधायक जी के पास? मैंने देखा उनको लग रहा था खाना बहुत ही खास? वो कर रहे थे इस व्यवस्था पर खुलकर योद्धा की तारीफ? मगर जब मैंने उनसे किया बाकी व्यवस्थाओं पर सवाल? तब वो मुस्कुराकर मेरे इस सवाल को गये टाल? उन्होनें कहा बस जो पेश करना था कर दिया हमने अपना ख्याल?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि कभी कभी वो कर देते हैं ऐसी बात कि बगलें झांकने लगते हैं जो उनके सामने होत हैं साहब? सुना है उन्होंने अपने संबोधन में नहीं छोड़ी कोई भी कसर? दे दिया किसी बडे चेहरे को तमगा? बोले उनकी तो है झुकी कमर? कहने वाले ने कहा मीटिंग से निकलकर बाहर पहुंच गई है उनके शब्दों की ये आग? कहने वाले ने कहा जहां होता है साबुन वहां बनते हैं झाग? देखना ये बात एक दिन कमजोर करेगी उनके हाथ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जिले वाले प्रेजीडेंट ने वेस्टर्न वाले ठाकुर साहब से रख दी अपने मन की बात? बोले हमको एक मंडल पर चाहिए हमारे यादव जी का साथ? सुना है उन्होंने इस मंडल के वर्तमान कमिश्नर को हटाने की कर ली है तैयारी? जल्दी ही ऑफिशियली इस पर संभालेंगे यादव जी जिम्मेदारी? ना जाने क्यों कर दिया उन्होंने वर्तमान वाले को इस पद से हुर्र? जिनको दी गई है ये वाली जिम्मेदारी, उसके लास्ट में आता है पुर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब आपने प्रशिक्षण शिविर में त्यागी जी के अगले दिन ना आने की बात का कराया एहसास? सुना है त्यागी जी ने इस सवाल को काफी सीरियस लिया साहब? उन्होंने बताया मैं नहीं हुआ था अगले दिन सिस्टम से लापता? मेरी मजबूरी थी इसलिए नहीं आ पाया? क्योंकि मेरे घर पर चल रही थी भगवत कथा? हमने जब संगठन के एक महानमंत्री को बताई ये पूरी बात? वो बोले आने वाला आना चाहता तो आ ही जाता? कौन सी कथा 24×7 चल रही थी साहब?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के विधायक ने युवा मोर्चा के अध्यक्ष के लिए रख दी अपने दिल की बात? बोले मोनू को ही बनाना चाहिए इस मोर्चे का सरताज? उसने लंबे समय से खेली है मोर्चे वाली पारी? अनुभव भी उसके पास है और वो संभाल सकता है मजबूती से जिम्मेदारी? मेरे से अगर किया जायेगा इस मामले पर सवाल? मैं तो यही बोलूंगा कि हमें इस बार इस युवा कर्मठ चेहरे का रखना चाहिए ख्याल?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि उन्होंने आपको बात बताई है वैसी? मैं आपको सच बता रहा हूं प्रशिक्षण शिविर में खराब थे कई ए0सी0? उसने कहा कहो तो मैं आपको भेज दूं सारे प्रूफ? अंधेरे में बैठकर कई चेहरे कर रहे थे हाथ वाला पंखा यूज? कहने वाले ने कहा ये आयोजक की नहीं आयोजन लेने वाले की थी जिम्मेदारी? फिर उन्होंने क्यों नहीं समझी ठीक से अपनी किरदारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बता रहा हूं अंदर की बात? प्रदेश वाले थे अपने स्वागत से थोड़े से नाराज? वो कह रहे थे कि इतनी धूप में नहीं रखना चाहिए थे ये प्रोग्राम? अपेक्षित वाले भी यहां पर क्यों दिखाई दे रहे हैं श्रीमान? कहने वाले ने कहा हो सकता है ये हों किसी दिलजले के दिल के उद्गार? मगर इसमें भी कोई शक नहीं है? स्वागत रहा था जोर से भी ज्यादा जोरदार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें फिर अंदर से लगी है जानकारी? 15 में से 5 भगवा कमिश्नर ऐसे थे जिन्होंने मौके पर थी पूरी राज गुजारी? बाकी 10 ने अपने-अपने हिसाब से कराई अपनी उपस्थिति दर्ज? जिसने जैसे निभाना था वैसे निभाया अपना फर्ज? कहने वाले ने कहा अब वो भले ही खुलकर ना बोलें? मगर रजिस्टर में तो है ही जाने और आने वालों की उपस्थिति दर्ज?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि प्रशिक्षण वाले शिविर में कार्यकताओं के चेहरे पर आ गई उस वक्त मुस्कान? जब विधायक जी के पास कमरे की चाबी लेकर पहुंचे थे एक युवा श्रीमान? विधायक जी ने कर दिया था उससे क्लियर? मैं कोई स्पेशल चेहरा नहीं हूं? मैं तो अपने कार्यकताओं के साथ ही सोउंगा डियर? सुना है ये सुनते ही चाबी लेकर आये युवा त्यागी चेहरे पर भी आ गई मुस्कान? उसने भी कहा हमने यूं तो कई विधायक देखे हैं? मगर आप जैसा नहीं देखा श्रीमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि गर्ग साहब पूरी शिद्दत से खोड़ा में मजबूत कर रहे हैं अपने प्रिय पहलवान की दावेदारी का फ्रेम? मगर हम हैरान हैं कि अभी तक क्यों साईलेंट हैं हैवीवेट वालों के प्रिय मिस्टर प्रेम? कहने वाले ने कहा देखने वाले देखना चाहते हैं इस मैटर में त्यागी जी का मजबूत किरदार? वो भी तो कोई मजबूत भूमिका यहां से करें तैयार? वो भी तो बतायें कि उन्हें यूं ही नहीं मिशन खोड़ा पर भेजा गया है यार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।